www.dainikjayantnews.com
देहरादून
सोमवार : 24 अगस्त 2026
वर्ष: 17
अंक: 109 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

उत्तराखंड में चीनी की जमाखोरी पर शिकंजा

15 दिन से अधिक स्टॉक रखने पर रोक

देहरादून। उत्तराखंड में चीनी की जमाखोरी और अनावश्यक भंडारण पर अब सख्ती की जाएगी। केंद्र सरकार के निर्देशों के बाद खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने प्रदेश के सभी जिला पूर्ति अधिकारियों को चीनी के बड़े खरीदारों के स्टॉक की निगरानी और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

नई व्यवस्था के तहत बड़े उपभोक्ता या खरीदार अपनी निर्धारित जरूरत से 15 दिनों से अधिक का चीनी स्टॉक अपने पास नहीं रख सकेंगे। इसका उद्देश्य चीनी की अनावश्यक जमाखोरी पर रोक लगाने के साथ बाजार में इसकी उपलब्धता और आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना है।

10 मीट्रिक टन या अधिक खपत वाले खरीदार दायरे में

विभागीय निर्देशों के अनुसार यह व्यवस्था उन बड़े उपभोक्ताओं और खरीदारों पर लागू होगी, जो उत्पादन, प्रसंस्करण अथवा अन्य

व्यावसायिक उपयोग के लिए प्रति माह 10 मीट्रिक टन या उससे अधिक चीनी की खपत करते हैं। ऐसे खरीदारों को अपनी वास्तविक और निर्धारित खपत के अनुरूप ही चीनी का भंडारण करना होगा। 15 दिनों की आवश्यकता से अधिक चीनी अपने पास रखना नियमों के दायरे में आएगा और इसकी जांच की जाएगी।

मौके पर जाकर होगा स्टॉक का सत्यापन

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने अधिकारियों को चीनी के स्टॉक की नियमित निगरानी के निर्देश दिए हैं। इसके तहत संबंधित प्रतिष्ठानों और बड़े खरीदारों के यहां भौतिक सत्यापन किया जा सकता है।

अधिकारी मौके पर उपलब्ध चीनी के वास्तविक स्टॉक का मिलान खरीद, खपत और निर्धारित भंडारण सीमा से करेंगे। इससे यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि किसी कारोबारी या बड़े उपभोक्ता ने निर्धारित सीमा से अधिक चीनी का भंडारण तो नहीं कर रखा है।

खरीद और भंडारण का रिकॉर्ड भी रहेगा महत्वपूर्ण

नई व्यवस्था में बड़े खरीदारों की चीनी खरीद और खपत के रिकॉर्ड पर भी नजर रखी जाएगी। किस खरीदार ने कितनी चीनी खरीदी, कितनी खपत हुई और कितना स्टॉक मौजूद है– इन पहलुओं के आधार पर वास्तविक स्थिति का सत्यापन किया जाएगा।

विभाग का मानना है कि इस व्यवस्था से वास्तविक खपत और खरीदी गई मात्रा के बीच अंतर का पता लगाने में मदद मिलेगी तथा अनावश्यक स्टॉक जमा करने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई

खाद्य आयुक्त बीएल राणा के मुताबिक केंद्र सरकार के निर्देशों से प्रदेश के सभी जिला पूर्ति अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। अधिकारियों को अपने–अपने क्षेत्रों में चीनी के स्टॉक की निगरानी करने और निर्धारित प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि अधिसूचना में निर्धारित प्रावधानों का उल्लंघन गंभीरता से लिया जाएगा। ऐसे में बड़े चीनी खरीदारों को अपनी खरीद, खपत और भंडारण व्यवस्था नए नियमों के अनुरूप रखने की जरूरत होगी।

जमाखोरी पर नियंत्रण की कोशिश

सरकार की इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य चीनी के अनावश्यक भंडारण और जमाखोरी को नियंत्रित करना है। खासतौर पर बड़े उपभोक्ताओं के पास जरूरत से अधिक स्टॉक जमा होने की स्थिति में बाजार में उपलब्धता प्रभावित न हो, इसके लिए स्टॉक मॉनिटरिंग को मजबूत किया जा रहा है। दून वैली टाइम्स की नजर अब इस व्यवस्था के तहत प्रदेश में होने वाली स्टॉक जांच और विभागीय कार्रवाई पर भी रहेगी।

झारखंड भर्ती घोटाले की जांच में हुए चौंकाने वाले खुलासे

ओएमआर में हेरफेर से लेकर इंटरव्यू तक करोड़ों की हुई उगाही!

रांची (एजेंसी)। झारखंड के चर्चित जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षा विवाद में सीआईडी और विशेष जांच दल (एसआईटी) की पड़ताल जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, सिंडिकेट के काम करने के संगठित और चौंकाने वाले तरीके उजागर हो रहे हैं। अब तक की जांच और मुख्य आरोपियों के बयान और उनसे चल रही लगातार पूछताछ से यह साफ हो गया है कि परीक्षाओं के विज्ञापन से लेकर अंतिम चयन और इंटरव्यू तक, हर स्तर पर सेटिंग की एक समानांतर व्यवस्था सक्रिय थी। सेटिंग के इस खेल में पिछले तीन वर्षों में करोड़ों रुपए की उगाही हुई है, जिसकी समानांतर जांच ईडी ने भी शुरू की है।

14वीं जेपीएससी में एक करोड़ का रेट तय!

सीआईडी ने शनिवार को अभय तिवारी को तीसरी बार तीन दिनों के लिए रिमांड पर लिया है। उसकी पत्नी सुषमा और भाई अक्षय तिवारी को भी आमने-सामने बिठाकर पूछताछ शुरू की गई है। आरोपियों के बयानों से यह खुलासा हुआ है कि भर्ती प्रक्रिया के अलग-अलग चरणों के लिए बाकायदा दरें तय थीं।

संक्षिप्त समाचार

चिराग की पार्टी के एमएलए अमित रानू के घर छापेमारी

- जमीन विवाद में भाई सोनू सिंह की संलिप्तता की जांच

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। मुजफ्फरपुर पुलिस ने जमीन विवाद में सीतामढ़ी के विधायक अमित कुमार रानू के घर पर छापेमारी की। तलाशी में पुलिस ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और स्टांप पेपर जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार, विधायक के भाई सोनू सिंह की संलिप्तता सामने आई है। विधायक की भूमिका

की भी जांच की जा रही है और बैंक खातों की पड़ताल होगी। मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाना क्षेत्र में जमीन विवाद और निर्माणाधीन मकानों की बाउंड्री तोड़ने के मामले में मुजफ्फरपुर पुलिस ने रविवार सुबह सीतामढ़ी के बेलसंड से विधायक अमित कुमार रानू के निजी आवास पर छापेमारी की। करीब चार घंटे चली तलाशी में पुलिस ने कई स्टांप पेपर, जमीन से जुड़े दस्तावेज और कंस्ट्रक्शन कंपनी से संबंधित कागजात जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार, पूरे मामले में विधायक के भाई सोनू सिंह की संलिप्तता सामने आई है, जबकि विधायक की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

तीन बार तालाब खंगाला, पॉलीथिन मिली, अंडकोष नहीं

- हत्या कर नाबालिग के गुप्तांग का किया था सौदा, आरोपी के अकाउंट में 12 लाख का ट्रांजेक्शन

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के श्यामला हिल्स इलाके में 17 वर्षीय किशोर की हत्या के बाद उसके अंडकोष काटकर छोटे तालाब में फेंकने के मामले में पुलिस की जांच कई दिशाओं में आगे बढ़ रही है। पुलिस आरोपियों के बैंक

खातों, उनके बीच हुए वित्तीय लेन-देन और डिजिटल गतिविधियों की जांच कर रही है। जांच में मुख्य आरोपी जोहेब के खाते में हाल ही में 12 लाख रुपए क्रेडिट होने की सूचना सामने आई थी। हालांकि पुलिस की तस्दीक में खाते में 12 लाख रुपए जमा होने की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस अब सभी आरोपियों के बैंक खातों की लेन-देन हिस्ट्री खंगाल रही है। जांच का फोकस यह पता लगाने पर है कि वारदात से पहले या बाद में किसी बाहरी व्यक्ति से आरोपियों को रकम मिली थी या नहीं। इसके साथ ही मोबाइल फोन, कॉल डिटेल और सोशल मीडिया गतिविधियों की भी जांच की जा रही है।

2 क्रू मेंबर्स का रेस्क्यू, 22 सदस्य अब भी लापता

पारादीप से चीन जा रहा मालवाहक जहाज लापता

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पारादीप बंदरगाह से चीन के लिए रवाना हुआ मालवाहक जहाज एमवी ओशन विनर बंगाल की खाड़ी में लापता हो गया है। जहाज पर 24 विदेशी क्रू सदस्य सवार थे। अब तक दो लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि बाकी सदस्यों की तलाश जारी है। भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल ने बड़े पैमाने पर खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया है। लापता जहाज की तलाश के लिए भारतीय नौसेना ने आईएनएस वराद, आईएनएस अनमोल और आईएनएस विजित को अभियान में लगाया है। भारतीय तटरक्षक बल की पारादीप स्थित टीम भी अपने पोत के साथ समुद्र में तलाश कर रही है।

20 अगस्त की रात पारादीप से हुआ था रवाना

जानकारी के अनुसार, एमवी ओशन विनर 20 अगस्त की रात पारादीप बंदरगाह से चीन के लिए रवाना हुआ था। जहाज पर करीब 72 हजार मीट्रिक टन लौह अयस्क लदा था। म्यांमार के रास्ते चीन की ओर बढ़ने के दौरान जहाज से संपर्क टूट गया। बताया गया है कि पारादीप से करीब 220 समुद्री मील दूर पोर्ट ब्लेयर क्षेत्र के पास समुद्री सीमा में जहाज का पता नहीं चल पाया।

जहाज पर 20 चीनी समेत 24 विदेशी नागरिक

एमवी ओशन विनर पर कुल 24 विदेशी क्रू सदस्य सवार थे। इनमें 20 चीनी नागरिक, तीन म्यांमार के नागरिक और एक बांग्लादेशी नागरिक शामिल हैं। दो सदस्यों को बचाए जाने के बाद अब अन्य लोगों का पता लगाने के लिए अभियान तेज कर दिया गया है। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने भी जहाज के लापता होने पर सोशल मीडिया के माध्यम से चिंता जताई है।

एमपी-यूपी में जल प्रलय बारिश बन गई मुसीबत

नदियां उफनाईं, बांध ओवरफ्लो, घरों तक में घुसा पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में स्कूल से घर लौट रहे तीन बच्चे घोंघा नदी के तेज बहाव में बह गए। एक दिन बाद रविवार को तीनों बच्चों के शव बरामद कर लिए गए। छत्तीसगढ़ की तरह उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में भी कई जिलों में तेज बारिश हो रही है। यूपी में भी बारिश और नदियों का जलस्तर बढ़ने से 19 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। बाराबंकी में करीब 1,250 ग्रामीणों के लिए नाव ही आने-जाने का सहारा बनी हुई है।

लोगों को रोजमर्रा के काम करने में भी परेशानी हो रही है। मध्य प्रदेश के सीधी में शनिवार को 104 करोड़ लागत से 6 महीने पहले बनी सड़क का बड़ा हिस्सा बारिश में बह गया। नरसिंहपुर में रेतघाट पुल पानी में डूब गया है। सतना में बाइक समेत तीन लोग नाले में बह गए। इनमें दो लोग बच गए। तीसरा लापता है। पन्ना में एक डंपर बह गया।

प्रयागराज में सड़कों पर किया जा रहा अंतिम-संस्कार

यूपी में लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। 19 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 92 गांवों में फसलें जलमग्न हो गई हैं। 26 गांव टापू में तब्दील हो चुके हैं। इन्हें दूसरे गांवों से जोड़ने वाली सड़कें डूब चुकी हैं। प्रभावित इलाकों में नावों और मोटर बोट के जरिए राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। झांसी में बेतवा नदी पर बना बांध सीजन में पहली बार ओवरफ्लो हो गया है। 140 साल पुराने पारीछा बांध के गेट भी खोल दिए गए हैं। बाराबंकी में सरयू नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

अब स्पेस में 'धाक' जमाने की तैयारी में भारत

पेट्रोल-पंप लगाने और दवाइयां बनाने की शुरू हो गई है तैयारी

पीएम से मिले स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स ने बताए अपने प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरिक्ष में पेट्रोल पंप, कचरा हटाने वाले रोबोट और हवा में तैरती दवाइयां। भारत का स्पेस सेक्टर अब फिल्मों में दिखने वाली टेक्नोलॉजी सच करने पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 20 स्पेस स्टार्टअप्स फाउंडर्स से खास बातचीत की। पीएम ने भरोसा दिलाया कि सरकार उद्यमियों का हाथ कभी नहीं छोड़ेगी। रिस्क लेने वालों को पूरा सपोर्ट मिलेगा। ये बातचीत 21 अगस्त को की गई थी। लेकिन वीडियो आज 23 अगस्त को रिलीज किया गया है।

1 महीने में मिले 8 नए इंटरनेशनल कॉन्ट्रैक्ट्स- भारतीय स्टार्टअप्स ग्लोबल लेवल पर ग्राउंड स्टेशन नेटवर्क तैयार कर रहे हैं और सैटेलाइट इंजनों का एक्सपोर्ट करने के लिए तैयार हैं। यह इंजन सैटेलाइट्स को स्पेस में 5 से 15 सालों तक एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में मदद करते हैं।

हर महीने रॉकेट लॉन्च करने का लक्ष्य

स्काईरूट ने पीएम मोदी को बताया कि 18 जुलाई को भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट से सैटेलाइट्स को कामयाबी के साथ ऑर्बिट में स्थापित किया था। कंपनी ने अब तक 3 फैक्ट्रियां तैयार कर ली हैं, जिनमें हर महीने एक रॉकेट बनाने की क्षमता है। कंपनी की योजना हर महीने एक रॉकेट लॉन्च करने की है। इसके बाद का लक्ष्य हर हफ्ते एक और भविष्य में हर दिन कई रॉकेट लॉन्च करने का है।

अमेरिका-यूरोप छोड़कर भारत आ रहे इंजीनियर्स

स्पेस सेक्टर को प्राइवेट प्लेयर्स के लिए खोले जाने के बाद एक नया ग्लोबल ट्रेंड दिख रहा है। अमेरिका और यूरोप में काम करने वाले भारतीय इंजीनियर्स अब अपनी नौकरियां छोड़कर भारत लौट रहे हैं और देश के स्पेस स्टार्टअप्स से जुड़ रहे हैं। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत को एक ऐसा माहौल बनाना चाहिए कि पूरी दुनिया का टैलेंट स्पेस सेक्टर में करियर बनाने के लिए भारत का रुख करे। भारतीय टैलेंट पूल दुनिया के वैज्ञानिकों को अपनी तरफ खींचने वाले मैग्नेट की तरह काम कर सकता है।

बांग्लादेश में हिंदू परिवार के 4 लोगों की संदिग्ध मौत

- बंद घर से रिटायर्ड शिक्षक, पत्नी-बच्चों के शव मिले

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के रंगपुर शहर में एक हिंदू परिवार के चार लोग संदिग्ध हालात में मृत मिले हैं। इनमें रिटायर्ड स्कूल शिक्षक, उनकी पत्नी, बेटी और बेटा शामिल हैं। चारों के शव शनिवार रात एक बंद घर से मिले। पुलिस, सीआईडी और डिटेक्टिव ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान गणपति चक्रवर्ती

(65), पत्नी प्रीतिलता चक्रवर्ती (50), बेटी आगमी चक्रवर्ती प्रार्थी (23) और बेटे प्रियम चक्रवर्ती (12) के रूप में हुई है। गणपति रंगपुर जिला स्कूल में शिक्षक थे और पिछले साल 31 दिसंबर को रिटायर हुए थे। रिटायरमेंट के बाद वे होम्योपैथी का काम भी कर रहे थे। परिजन के मुताबिक, प्रीतिलता की छोटी बहन पूजा ने उनसे गुरुवार दोपहर आखिरी बार बात की थी।

चारों के शव घर में अलग-अलग जगह मिले

रंगपुर मेट्रोपॉलिटन थाने के अधिकारी सुबीर चौधरी के मुताबिक, गणपति का शव छत पर, उनकी पत्नी और बेटी के शव सीढ़ियों के पास मिले। वहीं 12 साल के बेटे प्रियम का शव बिस्तर के नीचे मिला। परिजनों ने बताया कि उन्हें नहीं पता कि परिवार को किसने और क्यों निशाना बनाया। गणपति की भतीजी सोमा चक्रवर्ती ने कहा कि उनके चाचा का किसी से विवाद या दुश्मनी नहीं थी। परिवार ने दासपाड़ा में नया घर बनाया था और वहीं रह रहा था।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म, अभियुक्त फरार

रूद्रपुर। रूद्रपुर में 16 वर्षीय किशोरी को प्रेमजाल में फंसाकर दुष्कर्म और ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की मां की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रुद्रपुर के कोतवाली क्षेत्र से नाबालिक को झांसा देकर प्रेम जाल में फंसा कर दुष्कर्म और अश्लील फोटो वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर

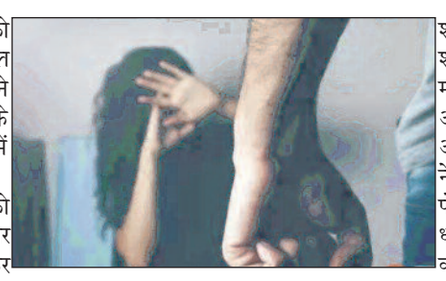

शारीरिक शारीरिक शोषण करने का मामला सामने आया है। शरीर के आधार पर पुलिस ने अभियुक्त पर पोक्सो और अन्य धारों में प्राथमिक की दर्ज कर ली है। रुद्रपुर निवासी एक महिला ने पुलिस को सौंपी तहरीर में बताया कि बिजनौर जिले के अफजलगढ़ (कादराबाद) निवासी सोनू ने उनकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री को अपने जाल में फंसा लिया।

आरोप है कि सोनू किशोरी को जसपुर/पतरामपुर क्षेत्र स्थित अपनी बहन के घर ले गया और वहां उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी अश्लील फोटो–वीडियो के दम पर किशोरी को ब्लैकमेल करते हुए लगातार शारीरिक शोषण करने लगा।

रक्षा बंधन समारोह में सैकड़ों बहनों ने मुख्यमंत्री की कलाई पर बांधा रक्षा सूत्र

देहरादून, हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हाथीबड़कला स्थित सर्वे स्टेडियम में भव्य रक्षाबंधन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर और भाजपा संसदीय बोर्ड एवं केंद्रीय चुनाव समिति की सदस्य सुधा यादव अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

रक्षाबंधन समारोह में बड़ी संख्या में महिलाओं की मौजूदगी रही। कार्यक्रम में वीर नारियों ने भी विशेष रूप से प्रतिभाग किया। गढ़वाली, कुमाऊंनी और नेपाली सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह में उत्तराखंड की लोक संस्कृति के रंग बिखेरे।

रक्षा सूत्र प्रेम, विश्वास और सुरक्षा का संकल्प : विजया राहटकर

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड की नारी शक्ति को नमन करते हुए कहा कि भारत में पर्व केवल उत्सव नहीं होते, बल्कि वे सामाजिक संदेश और संस्कारों के प्रतीक भी हैं। रक्षाबंधन पर बहन द्वारा भाई की कलाई पर बांधा जाने वाला रक्षा सूत्र केवल धागा नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और सुरक्षा का संकल्प है। उन्होंने कहा कि रक्षा का अर्थ महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के साथ–साथ उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने कहा कि पहाड़ की बेटियां आज 'लखपति दीदी' और 'ड्रोन दीदी' बनकर नई उंचाइयों को छू रही हैं। विजया राहटकर ने कहा कि रक्षाबंधन के संदेश को पूरे देश में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के संकल्प के रूप में आगे बढ़ाया जाना चाहिए। यह पर्व हमें महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, स्वावलंबन और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देता है।

किंग ऑफ उत्तराखंड का गुरूर चकनाचूर, जग्गा गैंग पर गैंगस्टर एक्ट की गाज

ऋषिकेश। खुद को किंग ऑफ उत्तराखंड बताकर कथित तौर पर लोगों में खौफ पैदा करने वाले जगजीत उर्फ जग्गा पर दून पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। भूमि एवं पारिवारिक विवादों में दखल, धमकी, मारपीट, अवैध वसूली और ब्लैकमेलिंग जैसे आरोपों में जग्गा समेत तीन आरोपियों को गैंगस्टर एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के मुताबिक वर्ष 2016 से 2026 के बीच आरोपियों के खिलाफ 11 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इसके बावजूद कथित रूप से गिरोह की गतिविधियां जारी थीं। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने जग्गा के घर से ह्यडकठॅ डा उत्तराखण्डह्ल लिखा बोर्ड भी बरामद किया। पुलिस का कहना है कि इस तरह की छवि और दबदबे के जरिए लोगों में भय पैदा करने का प्रयास किया जाता था।

दून पुलिस की कार्रवाई के बाद कथित ह्यकिंगह्ल अब सलाखों के पीछे है। पुलिस ने स्पष्ट संदेश दिया है कि कानून व्यवस्था को चुनौती देकर किसी को भी अपना दबदबा कायम करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

एक नजर

देवाल में हाटकल्याड़ी–सवाड़ सड़क पर फंसे वाहन

देवाल। सतुवापानी में भारी मलबा आने से हाटकल्याड़ी–सवाड़ सड़क शनिवार रात से बंद है। इस कारण 15 से अधिक वाहन फंसे हैं और ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

प्रधान आशा धपोला ने बताया कि यह सड़क सतुवापानी में आए दिन बंद होती रहती है। पिछले सप्ताह भी यह सड़क चार दिन तक बंद रही। वहीं पीएमजीएसवाई के अवर अभियंता प्रदीप पंवार ने कहा कि देवाल ब्लॉक में विभाग की दो जेसीबी अन्य सड़कों पर लगी हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द एक मशीन की व्यवस्था कर मलबा हटाया जाएगा।

निगोमती नदी के कटाव से कांडई चंद्रशिला गांव को खतरा

पोखरी (चमोली)। कांडई चंद्रशिला गांव में निगोमती नदी के लगातार कटाव से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। नदी के कटाव से कई नाली कृषि और वन पंचायत की भूमि नष्ट हो चुकी है। लोगों का कहना है कि कुलना और घटधार तोक में कृषि भूमि व आवासीय मकानों की सुरक्षा के लिए प्रभावित क्षेत्र में चेकडैम व सुरक्षा के उपाय किए जाएं। ग्राम प्रधान भगत भंडारी, पूर्व प्रधान नवीन राणा सहित ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर स्थायी सुरक्षा कार्य कराने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि समय रहते सुरक्षा कार्य नहीं हुए तो भू–धंसाव गांव तक पहुंच सकता है। लिहाजा निगोमती नदी के दोनों ओर सुरक्षात्मक कार्य किए जाएं।

डॉ. मैंदोली ऑक्सफोर्ड विवि में देंगे व्याख्या

ननंदानगर। विकासखंड नंदानगर के फाली गांव निवासी डॉ. भगवती प्रसाद मैंदोली तीन व चार सितंबर को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में व्याख्यान देंगे। उन्हें विशेष तौर पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया है। शिक्षा विभाग देहरादून में तैनात डॉ. मैंदोली ने सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के मानसिक तनाव को कम करने के लिए आनंदम पाठ्यचर्या तैयार किया है। इस पाठ्यचर्या के सकारात्मक परिणामों ने राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा बटोरी है। उनके इस नवाचार व शोध कार्य को साझा करने के लिए डॉ. मैंदोली को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया है। वे तीन व चार सितंबर को ऑक्सफोर्ड विवि में आनंदम पाठ्यचर्या (हैप्पीनेस लर्निंग) पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। वह लंबे समय से शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार व शोध कार्य कर रहे हैं।

डॉ. जसवंत लाल राजीव गांधी गौरव अवॉर्ड से सम्मानित

गोपेश्वर। अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर नई दिल्ली में आयोजित समरसता सांस्कृतिक समन्वय सम्मेलन एवं विचार प्रजेंटेशन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान चमोली जिले के भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष प्रो. डॉ. जसवंत लाल को सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक समन्वय और मानवाधिकार के क्षेत्र में योगदान के लिए राजीव गांधी गौरव अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया। समारोह में 25 देशों के राष्ट्रीय ध्वज मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य मानव एकता, विश्व बंधुत्व और वैश्विक सद्भाव को बढ़ावा देना था।

अशासकीय विद्यालय मिनिस्ट्रियल कार्मिक संघ की कार्यकारिणी गठित

रुद्रप्रयाग। माध्यमिक एवं जूनियर हाईस्कूल मिनिस्ट्रियल एवं कार्मिक एसोसिएशन की जिला स्तरीय बैठक एवं चुनाव में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। संगठन के संरक्षक राजेंद्र सिंह राणा के नेतृत्व में चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए। नई कार्यकारिणी में गणेश विद्या मंदिर पुनाड़ के कनिष्ठ सहायक अमित कंडारी को अध्यक्ष, कन्या जूनियर हाईस्कूल चोपड़ा के कनिष्ठ सहायक अनुराग जगवाण को महामंत्री और पब्लिक जूनियर हाईस्कूल घेंगड़खाल के परिचारक महेंद्र सजवाण को कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं तक्षशिला जूनियर हाईस्कूल चाका की कनिष्ठ सहायक दीना वशिष्ठ और जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डंगवालगांव के कनिष्ठ सहायक अमित रावत को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई।

देहरादून में विशाल रक्तदान अभियान, 140 यूनिट रक्त एकत्र

देहरादून। उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देहरादून के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश श्री हरीश कुमार गोयल के निर्देशानुसार रविवार, 23 अगस्त 2026 को देहरादून में विशाल रक्तदान अभियान आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, समाजसेवा प्रभाग, ब्रह्माकुमारीज तथा आईएमए ब्लड बैंक ऑफ उत्तराखंड के संयुक्त सहयोग से आयोजित इस रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर रक्तदान किया।

शिविर में स्थानीय जनता के साथ–साथ एनसीसी के छात्र–छात्राओं, मद्रास इंजीनियर यूनिट के करीब 70 जवानों तथा देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पराविधिक कार्यकर्ताओं ने भी लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया और करीब 20 लोगों को रक्तदान शिविर तक लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आयोजकों के अनुसार, शिविर में लगभग 140 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया, जिससे 140 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। रक्तदाताओं से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती सीमा डुँगराकोटी ने व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उन्हें भविष्य में भी रक्तदान के लिए प्रेरित किया। इस दौरान रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

रक्तदान जीवनदान है

इस अवसर पर सचिव श्रीमती सीमा डुँगराकोटी ने कहा कि रक्तदान एक ऐसा पुण्य कार्य है, जिससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक सेवा नहीं, बल्कि जीवनदान है। नियमित रूप से इस तरह के अभियान आयोजित किए जाएं तो उपलब्ध रक्त से अनगिनत जरूरतमंदों की जान बचाने में मदद मिल सकती है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि जब भी उन्हें अवसर मिले, वे स्वयं रक्तदान करें और अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

भविष्य में भी जारी रहेंगे रक्तदान अभियान

सचिव ने समाजसेवा प्रभाग, ब्रह्माकुमारीज और आईएमए ब्लड बैंक के प्रतिनिधियों को भविष्य में भी समय–समय पर इसी प्रकार के विशाल रक्तदान अभियान आयोजित करने के लिए सहयोग जारी रखने हेतु प्रेरित किया। आयोजकों की ओर से भी इस संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया दी गई। बताया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देहरादून द्वारा पूर्व में भी आईएमए ब्लड बैंक ऑफ उत्तराखंड के सहयोग से रक्तदान अभियान आयोजित किए जा चुके हैं।

फास्ट फूड बनाने का दिया प्रशिक्षण

रुद्रप्रयाग। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित 12 दिवसीय फास्ट फूड प्रशिक्षण कार्यक्रम का रविवार में समापन हुआ। समापन समारोह में एसबीआई आरएसीसी के मुख्य प्रबंधक वीरेंद्र भाकुनी, लीड बैंक अधिकारी अनूप असवाल, आरसेटी निदेशक अरुण कुमार एवं नंद किशोर थपियाल मौजूद रहे। अधिकारियों ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए स्वरोजगार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बैंक ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया, आवेदन के तरीके तथा भविष्य में बैंक की ओर से मिलने वाले सहयोग की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान ट्रेनर सुदेश धीमान ने चाउमीन, मोमोज, कोदे के मोमोज और समोसे, चटनियां, डोसा आदि बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

गोपेश्वर–घिंघराण मार्ग हल्के वाहनों के लिए खुलने की उम्मीद

गोपेश्वर। चमोली जिले में बारिश के बाद हुए भूस्खलन से 16 सड़कें बाधित होने के कारण ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कई गांवों के लोगों को जरूरी सामान लेने के लिए कई किलोमीटर पैदल आवाजाही करनी पड़ रही है। ग्रामीण राशन, सब्जी और अन्य जरूरी सामग्री को पीठ पर लादकर घरों तक पहुंचा रहे हैं। सड़कें बंद होने से बुजुर्गों, महिलाओं और बीमार लोगों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं ब्रह्मसैंण गोपेश्वर–घिंघराण मार्ग पर गेबियन दीवार निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। विभाग को उम्मीद है कि सोमवार तक मार्ग हल्के वाहनों के लिए सुचारु कर दिया जाएगा। वहीं परखाल–डुंगरी, कोटी बैंड–घटोरा, ग्वालदम–नंदकेशरी, नंदकेशरी–जौला (ग्वालदम), चमोली–लासी–सरतोली और हरमनी–रांगतोली–लासी सड़कें भी बाधित हैं। क्षेत्र पंचायत सदस्य मनमोहन सिंह, कांग्रेस प्रवक्ता तेजवीर कंडेरी और जयवीर सिंह ने प्रशासन से जल्द सड़कें खोलने की मांग की। वहीं जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी ने बताया कि सड़कों को खोलने का काम लगातार जारी है। रात में बारिश होने से नए भूस्खलन की स्थिति बन रही है जिससे सड़क खोलने के कार्य में दिक्कत आ रही है।

घर के अंदर घुसा गुलदार, महिला पर किया हमला

अल्मोड़ा। जिले के स्याल्दे क्षेत्र में गुलदार की सक्रियता ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। ग्राम पंचायत गुमटी के फूलाई गांव में देर रात एक गुलदार घर के अंदर घुस गया और वहां सो रही 88 वर्षीय बुजुर्ग महिला परुली देवी पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से घर में चीख–पुकार मच गई। गुलदार के हमले में महिला के सिर और हाथों में चोटें आई हैं। राहत की बात यह है कि फिलहाल उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

रात करीब तीन बजे घर में घुसा गुलदार

जानकारी के अनुसार फूलाई गांव निवासी परुली देवी पत्नी स्वर्गीय आन सिंह रात करीब तीन बजे अपने घर में सो रही थीं। इसी दौरान एक गुलदार किसी तरह घर के अंदर पहुंच गया और उसने सो रही बुजुर्ग महिला पर हमला कर दिया। गुलदार ने महिला के सिर पर हमला किया, जबकि पंजे लगने से उनके हाथ भी जख्मी हो गए। हमले के दौरान परुली देवी ने शोर मचाया। उनकी आवाज सुनकर घर में मौजूद बहू की नींद खुल गई। कमरे में गुलदार को देखकर वह भी घबरा गईं। इसके बाद उन्होंने आसपास के ग्रामीणों को

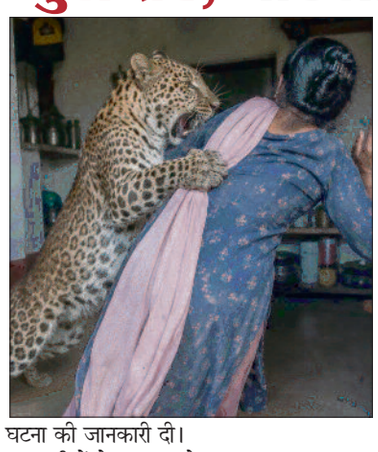

घटना की जानकारी दी।

ग्रामीणों ने एकजुट होकर भगाया गुलदार

गुलदार के घर में घुसने की खबर मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने एकजुट होकर शोर मचाया, जिसके बाद गुलदार घर से निकलकर वहां से भाग गया।

घटना के बाद परिजन घायल परुली देवी को तत्काल भिकियासैंण अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। इसके बाद बेहतर इलाज और स्वास्थ्य परीक्षण के लिए उन्हें रामनगर रेफर किया गया। परिजनों के अनुसार फिलहाल उनकी हालत खतरे से बाहर है।

वन विभाग ने बढ़ाई गश्त

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम भी सक्रिय हो गई। टीम ने प्रभावित क्षेत्र का जायजा लिया और गुलदार की गतिविधियों पर निगरानी शुरू कर दी है। क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है। जौरासी रेंज के रेंजर आशुतोष जोशी के अनुसार वन विभाग की टीम ने घायल महिला का हाल जाना है। प्रभावित क्षेत्र में लगातार निगरानी की जा रही है और गुलदार की गतिविधियों वाले स्थानों पर गश्त बढ़ाई गई है। गुलदार को पकड़ने के लिए जल्द ही पिंजरा लगाए जाने की तैयारी है।

घर के भीतर हमले से ग्रामीणों में दहशत

गुलदार द्वारा घर के भीतर घुसकर बुजुर्ग महिला पर हमला किए जाने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से जंगली जानवरों की आवाजाही बनी हुई है। ऐसे में ग्रामीणों, खासकर बुजुर्गों और बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का उत्तराखंड दौरा, जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर धामी ने किया स्वागत

देहरादून। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान रविवार को उत्तराखंड पहुंचे। जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री के प्रदेश आगमन पर उनका स्वागत करते हुए उत्तराखंड से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के संकेत दिए। माना जा रहा है कि मुलाकात में कृषि, ग्रामीण विकास और प्रदेश के विकास से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है।

आपदा प्रभावित 10 परिवारों को बांटी राहत सामग्री

ज्योतिर्मठ। रेडक्रास सोसायटी चमोली शाखा की ओर से रविवार को ज्योतिर्मठ के सिंहधार क्षेत्र के आपदा प्रभावित 10 परिवारों को राहत सामग्री वितरित की गई। भू–धंसाव से प्रभावित ये परिवार अभी भी अस्थायी टिन शेड में रह रहे हैं। जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश डोभाल के नेतृत्व में परिवारों को जरूरत की सामग्री उपलब्ध कराई गई। उन्होंने कहा कि रेडक्रास सोसायटी आपदा प्रभावित और जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए हर समय तत्पर है। जिले में प्रभावित परिवारों की आवश्यकता के अनुसार राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। इस दौरान शाखा सचिव सुरेंद्र रावत, विपिन शाह, दीपक टम्टा सहित अन्य पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

सहस्त्रधारा में नहाने के दौरान डूबा दिल्ली का पर्यटक

देहरादून। सहस्त्रधारा में नहाने के दौरान तेज बहाव की चपेट में आकर दिल्ली का एक पर्यटक डूब गया। एसडीआरएफ ने सघन सर्च अभियान चलाकर शव को घटनास्थल से करीब दो किलोमीटर दूर पांडव वाला पुल के पास बरामद कर लिया। मृतक की पहचान नौथ राम (लगभग 50 वर्ष), निवासी दिल्ली के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह आपदा कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि सहस्त्रधारा क्षेत्र में स्नान के दौरान एक व्यक्ति पानी के तेज बहाव में बह गया है। सूचना मिलते ही सहस्त्रधारा स्थित एसडीआरएफ की टीम घटनास्थल के लिए रवाना हुई।

उत्तराखंड में कांग्रेस का चुनावी शंखनाद तेज, राहुल मैदान में तो प्रियंका पहाड़ में

देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच कांग्रेस ने अपने चुनावी अभियान को तेज करने की कवायद शुरू कर दी है। पार्टी की रणनीति के तहत सितंबर से प्रदेश में राष्ट्रीय नेताओं की सक्रियता बढ़ने के संकेत हैं। कांग्रेस संगठन राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के प्रस्तावित दौरों को लेकर हाईकमान के साथ लगातार समन्वय कर रहा है।

पार्टी की प्रस्तावित रणनीति के अनुसार राहुल गांधी मैदानी क्षेत्रों में चुनावी मोर्चा संभाल सकते हैं, जबकि प्रियंका गांधी वाड्रा पर्वतीय जिलों में पार्टी के अभियान को धार देने के लिए उतर सकती हैं। हालांकि, इन कार्यक्रमों की अंतिम तारीखें हाईकमान स्तर पर चर्चा के बाद तय की जानी हैं।

हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर पर राहुल गांधी का फोकस

कांग्रेस की प्रस्तावित योजना के मुताबिक राहुल गांधी सितंबर में हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर का दौरा कर सकते

हैं। इन जिलों में सभाओं और कार्यकर्ता कार्यक्रमों के जरिए पार्टी युवाओं, किसानों, श्रमिकों और आम मतदाताओं तक पहुंच बनाने की तैयारी में है।

राहुल गांधी के संभावित कार्यक्रमों में बेरोजगारी, रोजगार के अवसर, महंगाई, युवाओं की समस्याएं और विकास जैसे मुद्दे प्रमुख हो सकते हैं। कांग्रेस इन कार्यक्रमों के जरिए जहां चुनावी माहौल तैयार करना चाहती है, वहीं संगठन के कार्यकर्ताओं में भी उत्साह बढ़ाने की कोशिश होगी। मैदानी जिलों की राजनीतिक अहमियत को देखते हुए कांग्रेस इन क्षेत्रों में राष्ट्रीय नेतृत्व की मौजूदगी को चुनावी रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा मान रही है।

पहाड़ में प्रियंका गांधी संभालेंगी मोर्चा

पर्वतीय क्षेत्रों के लिए कांग्रेस ने प्रियंका गांधी वाड्रा के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करनी शुरू कर दी है। प्रस्तावित कार्यक्रमों के तहत चमोली और अल्मोड़ा में उनके दौरे की तैयारी की जा रही है। पहाड़ में प्रियंका गांधी के जरिए कांग्रेस पलायन, महिलाओं की भागीदारी, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को चुनावी चर्चा के केंद्र में लाने की तैयारी में है। पार्टी का मानना है कि पर्वतीय जिलों के स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय नेतृत्व की सभाओं के माध्यम से व्यापक राजनीतिक मंच दिया जा सकता है। इसके साथ ही महिला मतदाताओं और युवाओं तक कांग्रेस की पहुंच मजबूत करने पर भी जोर रहेगा।

खरगे के बाद राष्ट्रीय नेताओं का अभियान होगा तेज

उत्तराखंड में कांग्रेस ने राष्ट्रीय नेतृत्व की सक्रियता पहले ही शुरू कर दी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी देहरादून में छात्रों और युवाओं के साथ संवाद कर चुके हैं। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आठ अगस्त को हल्द्वानी में रैली कर पार्टी के चुनावी अभियान को गति देने का संदेश दिया था।

अब सितंबर से राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के संभावित कार्यक्रमों के बाद कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं के दौरे भी प्रस्तावित किए जा रहे हैं।

तो कट जाएंगा मैदान से घाट क्षेत्र का संपर्क

कोटद्वार- पुलिंडा मार्ग पर बदहाल सड़क पर बना हादसा

कोटद्वार-पुलिंडा के मध्य ढह रहा मार्ग का हिस्सा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के दावे भले ही तमाम किए जाएं। लेकिन, धरातल में सरकारी सिस्टम इन दावों की किस कदर हवा निकालता है, कोटद्वार-पुलिंडा मार्ग को देख इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। करीब 14 करोड़ की लागत से मार्ग का जीर्णोद्धार तो किया गया। लेकिन, मौजूदा समय में मार्ग में कई जगह स्थिति काफी खराब है। एक स्थान पर सड़क जब ढह जाए, कहा नहीं जा सकता।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत करीब दो वर्ष पूर्व कोटद्वार-पुलिंडा-बल्ली मोटर मार्ग का जीणोद्धार किया गया। करीब बीस किलोमीटर लंबे इस मार्ग के जीर्णोद्वार के लिए 1370.58 लाख की धनराशि स्वीकृत हुई। साथ ही अगले पांच वर्ष तक देखरेख के लिए 128.85 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई। इसे निर्माण कार्यों की घटिया गुणवत्ता ही कहा जाए कि मार्ग दो वर्षों के भीतर ही बदहाल हो गया है।

कोटद्वार से करीब पांच किलोमीटर की दूरी पर मार्ग का हिस्सा लगातार ढह रहा है। कई स्थानों पर डामर तक गायब हो चुका है। वहीं, सात किलोमीटर की दूरी पर सड़का का हिस्सा ढह चुका है। ऐसे में इस स्थान पर कोई संकेतक भी नहीं लगाया गया है। ऐसे में रात के अंधेरे में दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। कुछ माह पूर्व मार्ग की बदहाल व्यवस्था के कारण एक कार दुर्घटनाग्रस्त होने से बच गई थी।

संकेतक नहीं दिख रहे

कोटद्वार-बल्ली के मध्य इस मार्ग पर जगह-जगह डेंजर जोन बने हुए हैं। साथ ही कई स्थानों पर लगातार पहाड़ी से बोल्डर गिरने का खतरा बना रहता है। वर्षाकाल में यह चुनौती और अधिक बढ़ जाती है। सरकारी सिस्टम की ओर से मार्ग पर कहीं भी चेतावनी बोर्ड नहीं लगाए गए हैं। जबकि, कई पर्यटक चरेख घूमने के लिए भी जाते हैं, जिन्हें मार्ग की स्थिति के बारे में जानकारी नहीं होती।

रविवार को भी खुला रहेगा डाकघर

जयन्त प्रतिनिधि।ः कोटद्वारः रक्षाबंधन से पहले राखियों की बढ़ती डाक को देखते हुए श्रीनगर डाकघर ने छुट्टी के दिनों में भी काम जारी रखा। रविवार को साप्ताहिक अवकाश होने के बावजूद डाकघर खुला रहा। राखी भेजने वालों के लिए अलग बुकिंग काउंटर लगाया गया। वही बाहर से पहुंची राखियों को पोस्टमैन के जरिये घर-घर पहुंचाया गया।डाक विभाग के अनुसार इन दिनों मैदानी क्षेत्रों सहित विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में राखियां श्रीनगर पहुंच रही हैं। डाक वाहन से आने वाली राखियों की छंटाई कर उन्हें प्राथमिकता से वितरण के लिए भेजा जा रहा है। श्रीनगर और आसपास से बाहर राखी भेजने वालों को भी अवकाश के दिन बुकिंग की सुविधा दी जा रही है। 26 अगस्त को अवकाश के दिन भी राखियों की बुकिंग और वितरण जारी रहेगा। इसके अलावा रक्षाबंधन के दिन भी पोस्टमैन राखियां लेकर संबंधित पते तक पहुंचेंगे। पोस्टमास्टर संजय कुमार ने बताया कि रक्षाबंधन को लेकर विशेष व्यवस्था की गई है। सभी राखियों को समय से गंतव्य तक पहुंचाने के लिए बुकिंग और वितरण अवकाश में भी जारी रखा जाएगा।

बकरी पर झपटा गुलदार महिला ने बचाई जान

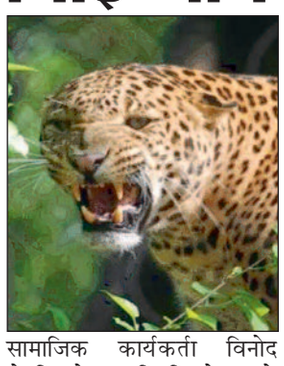

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः महर कांडा गांव में एक महिला ने साहस दिखाते हुए गुलदार से अपने बकरी को बचा लिया। महिला ने पत्थरों से गुलदार पर कई वार किए तो गुलदार बकरी को छोड़कर भाग गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महर कांडा गांव निवासी शान्ति देवी पत्नी हरीश अपनी बकरियों को चुरा रही थीं तभी अचानक झाड़ियों से निकलकर एक गुलदार ने उनकी बकरी पर हमला कर उसका गला दबोच लिया। यह देख शान्ति देवी ने उन्होंने साहस का परिचय देते हुए शोर मचाना शुरू कर दिया और आसपास पड़े पत्थरों से गुलदार पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। पत्थर लगने पर गुलदार बकरी को छोड़कर जंगलों की तरफ भाग गया। हमले में बकरी को चोटें आई हैं। वहीं इस घटना के बाद से क्षेत्र के ग्रामीणों में दहशत है। सामाजिक कार्यकर्ता विनोद टोडरिया ने कहा कि पिछले 15 से 20 दिनों से बागी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रामपुर, श्यामपुर, पाली और महर कांडा के आसपास के क्षेत्रों में गुलदार लगातार दिख रहा है। बच्चों को अकेले स्कूल भेजने में भी अभिभावक घबरा रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग और प्रशासन से प्रभावित क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने और गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की।

संक्षिप्त समाचार

गड्ढों में तब्दील हुआ पौड़ी हाईवे, जान जोखिम में डालकर हो रहा सफर

कोटद्वार। पौड़ी नेशनल हाईवे शहर के भीतर खस्ताहाल हो गया है। कौड़िया से लेकर तिलवाढांग चौकी तक कई स्थानों पर डामर उखड़ने से सड़क पर गहरे गड्ढे बन गए हैं। इससे वाहन चालकों, खासकर दोपहिया वाहन सवारों को जान जोखिम में डालकर आवाजाही करनी पड़ रही है। कोटद्वार और दुगड्डा के बीच भी हालात नाजुक हैं। शिकायतों के बावजूद हाईवे की हालत में सुधार नहीं होने से लोगों में नाराजगी है।

कोटद्वार से पौड़ी के बीच नेशनल हाईवे का करीब तीन किलोमीटर हिस्सा कोटद्वार शहर के बीच से होकर गुजरता है। गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में ही हाईवे की बदहाल स्थिति लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। उत्तराखंड-उत्तर प्रदेश सीमा पर स्थित कौड़िया प्रवेश स्थल से कुछ कदम की दूरी पर कौड़िया चौराहे में ही गहरा गड्ढा बना हुआ है। कौड़िया से बालासौड़ तिराहे तक कई स्थानों पर डामर उखड़ चुका है। कौड़िया में पनियाली पुल पर भी पूर्व में बिछाया गया डामर उखड़ने से गहरे गड्ढे हो गए हैं।

इसके आगे कौड़िया कैंप तिराहे, झंडाचौक, मालवीय उद्यान सहित शहर के कई हिस्सों में सड़क की हालत खराब है। कई जगह सड़क पर बजरी के ढेर लगे होने से दोपहिया वाहन चालक चोटिल हो रहे हैं। कोटद्वार से दुगड्डा के बीच भी हाईवे की स्थिति ऐसी ही बनी हुई है। नागरिक मंच के महासचिव अतुल भट्ट और भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी दिनेश जुयाल ने एनएच प्रशासन से जल्द मार्ग का डामरीकरण कराने की मांग की है।

महिला ने एंबुलेंस में ही दे दिया बच्चे का जन्म

नौगांव (उत्तरकाशी)। सीएचसी नौगांव की स्वास्थ्य सेवाओं पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रसव के लिए अस्पताल पहुंची मंजियाली गांव की गर्भवती महिला को रक्तचाप बढ़ा होने की बात कहकर उसे हायर सेंटर रेफर किया गया लेकिन महिला ने करीब 40 किलोमीटर दूर मरोड़ गांव के समीप यमुनोत्री हाईवे पर 108 एंबुलेंस में ही स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया।

जानकारी के अनुसार, मंजियाली गांव निवासी उग्रेस कुमार अपनी पत्नी रेखा को प्रसव के लिए सीएचसी नौगांव लेकर पहुंचे थे। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने महिला का रक्तचाप बढ़ा होने की बात कहते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। रेफर किए जाने के बाद महिला को 108 एंबुलेंस से ले जाया जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में प्रसव पीड़ा बढ़ने पर एंबुलेंस में तैनात आपातकालीन स्वास्थ्य तकनीशियन महेश कुमार ने सुरक्षित प्रसव कराया।

प्रसव के बाद जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ बताए जा रहे हैं। महिला की पहले से दो बेटियां हैं। बाद में दोनों को नैनबाग स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद क्षेत्र में सीएचसी की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि अस्पताल पर मरीजों को रेफर किए जाने के आरोप पहले भी लगते रहे हैं। वहीं, सीएचसी नौगांव के चिकित्साधीक्षक डॉ. रोहित भंडारी ने बताया कि महिला का रास्ते में प्रसव होने की सूचना मिली है। उसे किन परिस्थितियों में और किस कारण से रेफर किया गया, इसकी जांच की जाएगी।

बैठक 23 सितंबर को

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः गढ़वाल मोटर ओनर्स यूनियन लिमिटेड (जीएमओयू) की वार्षिक साधारण बैठक 23 सितंबर को आयोजित की जाएगी। बैठक में संचालक मंडल के तीन रिक्त पदों पर चुनाव होगा। साथ ही वर्ष 2025-26 के आर्थिक लेखा-जोखा भी प्रस्तुत किया जाएगा। वर्ष 2026-27 के लेखे-जोखे की जांच को आडिटर की भी नियुक्ति की जाएगी। कंपनी के संयुक्त सचिव नितिन रावत ने यह जानकारी दी।

दुकानें हटाने के विरोध में व्यापारियों का धरना जारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः रेलवे स्टेशन परिसर के बाहर स्थित दुकानों को हटाए जाने के विरोध में प्रभावित व्यापारियों का धरना रविवार को भी जारी रहा। दुकानदारों ने शासन-प्रशासन से वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने की मांग की है। व्यापारियों का कहना है कि जब तक उन्हें अन्यत्र शिफ्ट नहीं किया जाता उनका धरना जारी रहेगा।

कोटद्वार रेलवे स्टेशन का अमृत स्टेशन योजना के तहत जीर्णोद्वार किया गया है। इसके तहत स्टेशन के पुराने भवन को हटाकर नए भवन का निर्माण करने के साथ ही प्रवेश के लिए नए गेट भी बनाए गए हैं। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद रेलवे ने अपनी भूमि पर संचालित दुकानों को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसी क्रम में स्टेशन के सामने लंबे समय से दुकानें संचालित कर रहे व्यापारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस मिलने के बाद से प्रभावित दुकानदार आंदोलन कर रहे हैं। रविवार को धरने के दौरान नगर व्यापार मंडल के सचिव नवीन गोयल ने कहा कि दशकों से कारोबार कर रहे दुकानदारों के सामने अब रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि रेलवे की भूमि से दुकानें हटाने से पहले व्यापारियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की ओर से अब तक केवल मौखिक आश्वासन दिए जा रहे हैं। व्यापारियों की मांग है कि उन्हें व्यवसाय के लिए स्थान उपलब्ध कराने का लिखित आश्वासन दिया जाए। उन्होंने बताया कि प्रभावित दुकानदारों के समर्थन में नगर व्यापार मंडल की ओर से मंगलवार को बाजार बंद का आह्वान किया गया है। धरने में महेश भाटिया, दिनेश कुमार, राकेश भाटिया, हरजीत सिंह, नितिन भाटिया और राजीव जैन सहित अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

कोटद्वार में धरना देते व्यापारी

जन्मदिन पर पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक सौरभ गोदियाल ने अपने जन्मदिन को पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ मनाया। इस अवसर पर मंच से जुड़े कार्यकर्ताओं ने सिम्मलचौड़ स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय परिसर में फलदार और औषधीय पौधे रोपे। इससे पहले श्री सिद्धबली मंदिर में पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की गई। पौधारोपण के दौरान सौरभ गोदियाल ने कहा कि जन्मदिन केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि समाज और पर्यावरण के लिए कुछ बेहतर करने का दिन भी होना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपने जन्मदिन और अन्य विशेष अवसरों पर पौधारोपण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की भी नींव हैं। उन्होंने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से पौधारोपण और स्वैच्छिक रक्तदान जैसे कार्यों के माध्यम से लोगों को सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूक करने का प्रयास कर रहे हैं। इस अवसर पर अनूप ध्यानी, प्रीतम नेगी, शैलेंद्र सिंह, सुनील सैनी, सत्यप्रकाश ढौंडियाल, गौरव बिष्ट, पवन जुयाल, सत्यपाल सिंह, सारिका कठैत, मनीषा राणा और आनंद गोस्वामी मौजूद रहे।

नहाने गया मजदूर तेज बहाव में बहकर यमुना के टापू पर फंसा

बड़कोट। रविवार को खराड़ी क्षेत्र में झूला पुल के समीप यमुना नदी में नहाने गया बिहार निवासी मजदूर अचानक पैर फिसलने से तेज बहाव की चपेट में आ गया। नदी में कुछ दूरी तक बहने के बाद वह बीच धारा में स्थित एक टापू पर पहुंचकर फंस गया। सूचना मिलते ही फायर सर्विस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाकर मजदूर को सकुशल बाहर निकाला।

अग्निशमन अधिकारी एसएस चौहान ने बताया कि बिहार निवासी सुरजीत यादव खराड़ी में मजदूरी करता है। रविवार को वह झूला पुल के पास यमुना नदी में नहाने गया था। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से वह नदी के तेज बहाव में बह गया। बहते हुए कुछ दूरी पर वह यमुना के बीच बने टापू पर पहुंच गया जहां चारों ओर पानी का तेज बहाव होने के कारण फंस गया।

गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर में मनाया आवा दिवस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर, लैंसडौन में आर्मी वुमेंस वेलफेयर एसोसिएशन (आवा) के तत्वावधान में आवा दिवस समारोह उत्साह और गरिमा के साथ आयोजित किया गया। सप्ताहभर चले कार्यक्रमों में सैन्य परिवारों की महिलाओं एवं वीर नारियों के कल्याण, स्वास्थ्य, कौशल विकास और सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य समारोह का शुभारंभ सुरजन सिंह ऑडिटोरियम में परिवार कल्याण संगठन, गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर की चेयरपर्सन श्रीमती रेखा नेगी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर आवा की भूमिका एवं उद्देश्यों पर वीडियो संदेश के माध्यम से प्रकाश डाला गया। बताया गया कि आवा सेवारत एवं पूर्व सैनिकों के परिवारजनों तथा वीर नारियों के सर्वांगीण कल्याण के साथ महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। आवा सप्ताह के तहत 20 अगस्त को सैन्य परिवारों की महिलाओं के लिए विशेष फिल्म स्क्रीनिंग आयोजित की गई। 21 अगस्त को महिलाओं की प्रतिभा और रचनात्मकता को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से 'हुनर हाट' लगाया गया, जिसमें हस्तनिर्मित एवं उपयोगी वस्तुओं की प्रदर्शनी के साथ मनोरंजक खेलों का आयोजन हुआ। वहीं 22 अगस्त को सैन्य चिकित्सालय में सैन्य परिवारों एवं वीर नारियों के लिए विशेष चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया, जिसमें स्वास्थ्य जांच के साथ आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। 23 अगस्त को आयोजित मुख्य समारोह के दौरान श्रीमती रेखा नेगी ने बी.एस.के. में सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। समारोह में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं गतिविधियों पर प्रस्तुति दी गई। साथ ही वीर नारियों और उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित कर पुरस्कार प्रदान किए गए। अपने संबोधन में श्रीमती रेखा नेगी ने महिलाओं से अपनी प्रतिभा और क्षमताओं को पहचानकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सशक्त महिला न केवल अपने परिवार को मजबूती प्रदान करती है, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है। कार्यक्रम का समापन आवा गीत के सामूहिक गायन के साथ हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में सैन्य परिवारों की महिलाओं एवं वीर नारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आवा दिवस के दौरान आयोजित कार्यक्रमों से सैन्य परिवारों में आपसी सौहार्द, स्वास्थ्य जागरूकता, कौशल विकास, आत्मविश्वास और महिला सशक्तिकरण की भावना को और मजबूती मिली।

लैंसडौन में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते सदस्य

खेल उपलब्धियों पर छात्राओं का सम्मान

विद्यालय में अव्वल विद्यार्थियों को सम्मानित करते शिक्षक व अन्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः जानकीनगर स्थित रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली दो छात्राओं को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री उदयीमान खिलाड़ी उन्नयन छात्रवृत्ति योजना के तहत छात्रा दीपिका कोटनाला ने जनपद स्तर पर प्रथम स्थान हासिल कर छात्रवृत्ति के लिए चयनित होकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। वहीं, श्रुति ने क्षेत्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। दीपिका कोटनाला ने मुख्यमंत्री उदयीमान खिलाड़ी उन्नयन छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता में जनपद स्तर पर टॉप-1 स्थान प्राप्त किया। उनके चयन पर विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती, उप प्रधानाचार्य अनिल कोटनाला और प्रबंध समिति के सदस्यों ने छात्रा को सम्मानित कर उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसी क्रम में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की ओर से शिकारपुर, बुलंदशहर में आयोजित क्षेत्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्रा श्रुति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। इस सफलता के बाद श्रुति का चयन दिसंबर में बिहार में होने वाली अखिल भारतीय स्तर की तीरंदाजी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। विद्यालय के खेल शिक्षक मोहन सिंह गुसाईं ने दोनों छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने छात्राओं की उपलब्धि को विद्यालय और क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया। इस अवसर पर विद्यालय के मीडिया प्रभारी रोहित बलोदी समेत अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

पीएम पोषण योजना की व्यवस्थाओं को लेकर एसडीएम ने दिए निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः प्रखंड एकेश्वर में पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना के प्रभावी संचालन को लेकर चौबट्टाखाल तहसील सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपजिलाधिकारी रेखा आर्या ने विद्यालयों में विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, पेयजल समेत अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों और विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने अपने-अपने विद्यालयों में योजना के तहत की जा रही व्यवस्थाओं की जानकारी देने के साथ ही सामने आ रही समस्याओं से भी अवगत कराया। खंड शिक्षा अधिकारी एकेश्वर डा. गुंजन अमरेली ने कहा कि योजना के बेहतर संचालन के लिए विद्यालय स्तर पर उपलब्ध व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी जरूरी है। बैठक में ऐसे विद्यालयों की स्थिति पर भी चर्चा की गई, जहां अभी तक जल संयोजन उपलब्ध नही है। उपजिलाधिकारी ने संबंधित विभागों से समन्वय कर इन विद्यालयों में पेयजल की व्यवस्था जल्द सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विद्यार्थियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए तथा योजना से संबंधित समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। इस अवसर पर डा. दिग्विजय राणा, देवेंद्र सिंह चौहान, महेंद्र सिंह रौतेला और लक्ष्मी थपलियाल मौजूद रहे।

फिफ्थ शेड्यूल पहाड़ की समस्याओं का एकमात्र समाधान

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः उत्तराखंड में फिफ्थ शेड्यूल लागू करने की मांग को लेकर जिला पंचायत सभागार में उत्तराखंड एकता मंच के तत्वावधान में नागरिक मंथन बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों, शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्रों एवं वरिष्ठ बुद्धिजीवियों ने प्रतिभाग किया। वक्ताओं ने कहा कि पहाड़ की मौजूदा समस्याओं के समाधान के लिए फिफ्थ शेड्यूल एक प्रभावी विकल्प हो सकता है।

बैठक में सबसे पहले उत्तराखंड एकता मंच की ओर से फिफ्थ शेड्यूल के प्रावधानों की जानकारी दी गई। वक्ताओं के अनुसार, इसके लागू होने से जल, जंगल और जमीन से जुड़े अधिकारों तथा स्थानीय संसाधनों में स्थानीय लोगों की भागीदारी को मजबूत आधार मिल सकता है। साथ ही वन एवं वन्यजीव संरक्षण से जुड़े प्रावधानों के कारण उत्पन्न स्थानीय समस्याओं के समाधान की दिशा में भी पहल संभव होगी। मंथन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि इस मांग को व्यापक जनसमर्थन देने के साथ सरकार और सभी राजनीतिक दलों पर दबाव बनाया जाना जरूरी है, ताकि वे अपने चुनावी घोषणा-पत्रों में इसे शामिल करें। बैठक में यह भी तय किया गया कि आगामी 22 नवंबर को देहरादून में प्रस्तावित रैली से पहले पौड़ी में एक बड़ी जनगैदरिंग आयोजित की जाएगी। इस जनगैदरिंग में राजनीतिक दलों के साथ कर्मचारी, छात्र, महिला एवं किसान संगठनों सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि अब सभी वर्गों को एकजुट होकर एक साझा मांग के साथ सरकार के सामने अपनी बात रखनी होगी। उनका कहना था कि पहले चरण में पूरे उत्तराखंड को जनजाति का दर्जा देने और इसके बाद फिफ्थ शेड्यूल में शामिल करने की मांग को लेकर चरणबद्ध आंदोलन किया जाना चाहिए। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि यदि उत्तराखंड को जनजाति का दर्जा मिलता है, तो फिफ्थ शेड्यूल के दायरे में प्रदेश को शामिल करने की मांग को आगे बढ़ाने के लिए मजबूत आधार तैयार होगा। उन्होंने पहाड़ के जल, जंगल, जमीन, पलायन और स्थानीय संसाधनों से जुड़े सवालों को सामूहिक रूप से उठाने की आवश्यकता बताई। बैठक का संचालन डॉ. वितेश्वर बलोदी ने किया। इस दौरान विभिन्न वक्ताओं ने फिफ्थ शेड्यूल की मांग को लेकर अपने विचार रखे और आगामी आंदोलन की रणनीति पर मंथन किया।

आयोजित बैठक में भाग लेते सदस्य

संपादकीय

आत्मनिर्भर चिकित्सा तकनीक

भारत ने पिछले एक दशक में स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व विस्तार किया है। सरकारी और निजी क्षेत्र में अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, जांच केंद्रों और मेडिकल कॉलेजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। शहरों के साथ–साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हुआ है। यह सरकार की ऐसी नीतियों को दर्शाता है, जिनका केंद्र आम नागरिक की स्वास्थ्य सुरक्षा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को हर नागरिक तक पहुंचाने के लिए काम किया है। इन लगातार किए गए प्रयासों का परिणाम है कि देश में लोगों द्वारा अपनी जेब से स्वास्थ्य सेवाओं पर किए जाने वाले खर्च में पिछले कुछ वर्षों में बड़ी कमी आई है। यह खर्च पहले 65 प्रतिशत तक था, जो अब घटकर 43 प्रतिशत रह गया है। जिला अस्पताल में जन्म लेने वाले नवजात शिशु से लेकर बड़े अस्पताल में इलाज करा रहे कैंसर मरीज तक, आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में भरोसेमंद, अच्छी गुणवत्ता वाले और किफायती चिकित्सा उपकरण बेहद जरूरी हो गए हैं। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत सरकार ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत कर रही है। इसके लिए प्रयोगशालाओं को बेहतर बनाने, गंभीर मरीजों के इलाज की सुविधाएं बढ़ाने, बीमारियों की निगरानी व्यवस्था मजबूत करने और आपात स्थिति से निपटने की क्षमता बढ़ाने पर निवेश किया जा रहा है। जैसे–जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, अब जोर एक आत्मनिर्भर चिकित्सा तकनीक क्षेत्र तैयार करने पर है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को और सस्ता, आसानी से उपलब्ध और किसी भी संकट के समय मजबूत बनाना है। पहले ,भारत कई आधुनिक और जटिल चिकित्सा उपकरणों के लिए काफी हद तक दूसरे देशों से होने वाले आयात पर निर्भर था। इन तकनीकों से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार तो हुआ, लेकिन इससे इलाज की लागत बढ़ी, आपूर्ति व्यवस्था पर बाहरी निर्भरता बनी रही और इन उपकरणों की पहुंच सीमित रही।

चिंतन-मनन

सत्ता और नैतिकता

सत्ता के संचालन में शक्ति की अपेक्षा रहती है या नहीं, यह एक बड़ा प्रश्न है। शक्ति दो प्रकार की होती है- नैतिक शक्ति और उपकरण शक्ति। नैतिक शक्ति के बिना तो व्यक्ति सही ढंग से प्रशासन कर ही नहीं सकता। उपकरण शक्ति का जहां तक प्रश्न है, एक सीमा तक वह भी जरूरी है। किंतु वह शक्ति का एकमात्र तत्व नहीं है। उससे भी अधिक आवश्यक है- बुद्धि, विवेक, साहस और निर्णायक क्षमता। जिस शासक में ये चारो तत्व नहीं होते, वह सही रूप से सत्ता को संचालित नहीं कर सकता। एक शासक के पास बहुत बड़ी सेना हो, शस्त्रों का विशद भंडार हो; पर सही समझ न हो और समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता न हो तो शक्ति भी अहितकर बन जाती है। सामान्यतः राष्ट्रीय एवं सामाजिक सत्ता के संचालन में शक्ति तत्व अपेक्षित रहता है, पर वही सब कुछ नहीं है, परम तत्व नहीं है। अधिकारी व्यक्ति की चरित्रनिष्ठा, जागरूकता और जनता की सहानुभूति का योग होने से ही सत्ता के गलियारों को पार किया जा सकता है। किसी एक तत्व की कमी होते ही प्रशासक विवादों के घेरे में खड़ा हो जाता है। उस समय वह सत्ता का संचालन करता है या सत्ता के द्वारा संचालित होता है, कुछ कहना कठिन है। मयार्दा पुरुषोत्तम राम और रावण का प्रसंग प्रसिद्ध है। रावण की सत्ता से संसार कांपता था, इधर राम वनवासी थे। उनके पास न वैसी सेना थी, न वैसा शास्त्रबल था। फिर भी उन्होंने रावण की सत्ता को चुनौती दे दी। रावण धराशायी हो गया, क्योंकि उसका चरित्रबल क्षीण हो गया, सूझबूझ समाप्त हो गई, सही निर्णय लेने की क्षमता चुक गई और उसने जनता की सहानुभूति खोकर गृह-कलह के बीज बो दिए। शक्ति के सहारे सत्ता का संचालन होता तो न रावण मारा जाता और न कौरवों को पराजय का मुंह देखना पड़ता। पिछली सदी तक भारत का शासन-सूत्र अंग्रेज संभाल रहे थे, शक्ति की उनके पास कमी नहीं थी। उनके सामने भारत छोड़ने की विवशता शक्ति की कमी से नहीं थी। ये प्रसंग प्रमाणित करते हैं कि प्रबुद्ध जनता केवल शक्ति के आधार पर शासित नहीं हो सकती।

चीनी की मिठास पर महंगाई की कड़वाहट, आखिर क्यों बढ़ रहे हैं इसके दाम?

सुनील कुमार महला

देश में चीनी की कीमतों में इन दिनों काफी बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है और चीनी के प्रति किलो के दाम 60 रुपए प्रति किलो या इससे ज्यादा तक पहुंच गये हैं। इस क्रम में यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि चीनी की कीमतों में अचानक हुई बढ़ोतरी चिंता का विषय जरूर है, लेकिन फिलहाल स्थिति बहुत गंभीर नहीं है।इस संबंध में यहां पर पाठकों को बताता चलूं कि त्योहारी सीजन को देखते हुए सरकार ने 31 अक्तूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है। इससे बाजार में चीनी की उपलब्धता बढ़ेगी और कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। अच्छी बात यह भी है कि सरकार ने जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए भंडारण सीमा भी सख्त की है।

आखिर क्यों बढ़ रही चीनी की कीमतें:- यहां पर यह सवाल जरूर उठता है कि जब देश में चीनी की कमी नहीं है, तो कीमतें इतनी तेजी से क्यों बढ़ रही हैं। इसके पीछे गन्ने के उत्पादन में कमी, गन्ने का अधिक हिस्सा इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल होना या गन्ने की खेती का पर्याप्त विस्तार न होना जैसे कारण हो सकते हैं। वास्तव में देश में चीनी उत्पादन में कमी,खराब मौसम और कम बारिश,त्योहारी सीजन में मांग बढ़ना,भंडार में कमी और जमाखोरी की आशंका,वैश्विक बाजार में आपूर्ति का दबाव तथा गन्ने से इथेनॉल बनाने की नीति को भी चीनी कीमतों की चर्चा में प्रमुखता मिली है, जिसके कारण चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा कीमत वृद्धि का मुख्य कारण इथेनॉल के लिए चीनी का डायवर्जन नहीं है।

गाड़ियों में इथेनॉल का इस्तेमाल भी एक कारण ? पाठक जानते होंगे कि हमारे देश में गाड़ियों में इथेनॉल का इस्तेमाल मुख्यतः पेट्रोल में मिलाकर किया जा रहा है। इसे इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) कहा जाता है। हमारे देश में स्थिति की बात करें तो ई-20 पेट्रोल यानी 20% इथेनॉल तथा 80% पेट्रोल अब भारत में पेट्रोल का प्रमुख मानक मिश्रण है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2025-26 में औसत इथेनॉल मिश्रण लगभग 20% तक पहुंच गया है।अप्रैल 2026 से बीएस-श्क वाहनों के लिए ई-20 उत्सर्जन मानकों को पूरा करना अनिवार्य किया गया है। वास्तव में, इथेनॉल मिश्रण का उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना, विदेशी मुद्रा बचाना, किसानों के लिए अतिरिक्त बाजार उपलब्ध कराना और कार्बन उत्सर्जन घटाना है। सरकार के अनुसार ईबीपी कार्यक्रम से अब तक लगभग ?1.97 लाख करोड़ की विदेशी मुद्रा बचत हुई है। संक्षेप में कहें तो हमारे देश भारत पेट्रोल वाहनों को धीरे-धीरे इथेनॉल आधारित ईंधन की ओर ले जा रहा है। आज की स्थिति में ई-20 सामान्य पेट्रोल व्यवस्था का हिस्सा है। ऐसे में कृषि और पेट्रोलियम मंत्रालय को मिलकर इन पहलुओं की समीक्षा जरूर करनी चाहिए। इथेनॉल की बढ़ती मांग को देखते हुए गन्ने का उत्पादन भी बढ़ाना जरूरी है, ताकि चीनी और इथेनॉल दोनों की जरूरत पूरी हो सके और किसानों को भी बेहतर लाभ मिले।

हमारे देश में चीनी उत्पादनः- बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत दुनिया के प्रमुख चीनी उत्पादक देशों में है। 2025-26 चीनी सत्र में भारत का चीनी उत्पादन लगभग 306 लाख टन (3.06 करोड़ टन) रहने का अनुमान है, जो शुरूआती अनुमान से करीब 11 प्रतिशत कम है। उत्पादन में कमी का असर घरेलू बाजार में चीनी की उपलब्धता और कीमतों पर पड़ा है। इस बीच, इथेनॉल उत्पादन के लिए भी गन्ने से प्राप्त चीनी का एक हिस्सा इस्तेमाल किया जाता है और हाल फिलहाल कमी को देखते हुए सरकार ने घरेलू आपूर्ति बनाए रखने के लिए, जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि, शुल्क-मुक्त चीनी आयात की अनुमति भी दी है।

उक्त संदर्भ में यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि देश में गेहूं, चावल, सब्जी, फल और दूध जैसे कई खाद्य पदार्थों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ी है। लेकिन दाल और खाद्य तेल के मामले में अभी भी आयात पर निर्भरता है। दालों की बढ़ती मांग और खाद्य तेल की लगभग आधी जरूरत ही देश में पूरी होना चिंता का विषय है। इसलिए सरकार को केवल मौजूदा महंगाई नियंत्रित करने पर ही नहीं, बल्कि इन आवश्यक खाद्य पदार्थों का उत्पादन बढ़ाने पर भी ध्यान देना चाहिए।

अंत में कुल मिलाकर यही कहूंगा कि चीनी का मौजूदा संकट बहुत बड़ा नहीं है, लेकिन सरकार को समय रहते सतर्क रहना होगा। जमाखोरी और कालाबाजारी पर कड़ी नजर के साथ अफवाहों को रोकना भी जरूरी है, क्योंकि कई बार अफवाहों के कारण भी बाजार में अनावश्यक महंगाई बढ़ जाती है। साथ ही, लोगों को भी जरूरत के मुताबिक ही खरीदारी और खपत करनी चाहिए। इस संबंध में चीनी के विकल्पों को भी तलाश किया जाना चाहिए। वास्तव में, गुड़,शहद,खजूर या खजूर का पेस्ट (मिठाइयों, शेक, बेकिंग और लड्डू आदि में उपयोगी),नारियल/पाम शुगर तथा फलों की प्राकृतिक मिठास (केला, खजूर, सेब आदि का इस्तेमाल) इसके विकल्प हो सकते हैं।

(लेखक फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार हैं)

यौन शोषण और ब्लेकमेलिंग का अड्डा बन रहे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

मनोज कुमार अग्रवाल

सोशल मीडिया का अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग कई किशोरियों और युवतियों के मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-सम्मान और वास्तविक जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है, हालांकि इसे पूरी पीढ़ी की बबार्दी कहना अतिशयोक्ति हो सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिलने वाली कृत्रिम चमक और तुलना की संस्कृति गंभीर मानसिक दबाव पैदा कर रही है।सोशल मीडिया पर अजनबी लोगों से दोस्ती करने के बाद कई बार लड़कियां ऑनलाइन धोखाधड़ी, ब्लैकमेलिंग और साइबर अपराध का शिकार हो जाती हैं। लोग झूठी पहचान बनाकर भरोसा जीतते हैं और बाद में निजी जानकारी का गलत इस्तेमाल करते हैं। इससे मानसिक तनाव और सामाजिक नुकसान होता है।धोखेबाज असली नाम या तस्वीर छिपाकर गलत पहचान बनाते हैं। निजी तस्वीरें या वीडियो हासिल करके पैसों की मांग करना। महंगे उपहार या विदेश भेजने के नाम पर पैसे ऐंठना। प्यार और शादी का झूठा वादा करके भरोसा तोड़ना।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान फेसबुक, इंस्टाग्राम और स्नैपचैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर चंद युवक-युवतियों द्वारा आपस में दोस्ती करने का रुझान बढ़ गया है जिसे ऑनलाइन फ्रैंडशिप कहा जाता है। इनके जरिए युवक दोस्ती के नाम पर अपनी ऑनलाइन फ्रैंड्स को धोखा देने, उनका यौन शोषण करने और ब्लैकमेल करके पैसे वसूलने में भी संकोच नहीं करते जिससे उनकी चाल में फंसने वाली युवतियों की जिंदगियां तबाह हो रही हैं। हाल ही में सुर्खियों में रही कुछ वारदातों का जायजा करिए।

6 जनवरी को पालघर (महाराष्ट्र) में एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को इंस्टाग्राम पर प्रेम जाल में फंसा कर अगवा करने, महीनों तक उसका यौन शोषण करने तथा घटना का वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक के विरुद्ध केस दर्ज किया।12 जनवरी को पाली (राजस्थान) की एक नाबालिगा से सोशल

मीडिया के जरिए दोस्ती करने के बाद एक युवक उसे दिल्ली ले आया और किराए के मकान में रखकर उसका कई बार शोषण किया। जब लड़की ने उससे शादी करने के लिए कहा तो उसे पीटा गया। पुलिस ने नाबालिगा की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया।

5 मई को सीकर (राजस्थान) में एक महिला ने अपने ऑनलाइन फ्रेंड पर शादी का झूठा वादा कर उससे बलात्कार करने और उसे जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।20 जून को बेंगलुरु (कर्नाटक) में पुलिस ने एक व्यक्ति को एक महिला से ऑनलाइन दोस्ती करके उसे किराए पर कमरा दिलाने के बहाने एक लॉज में ले जाकर उससे बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया।23 जून को बुराड़ी (दिल्ली) में एक महिला ने अपने ऑनलाइन फ्रेंड के विरुद्ध रील बनाने के बहाने उसे एक होटल में बुला कर उससे बलात्कार करने और घटना का वीडियो बना कर उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई । 16 जुलाई को कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में एक महिला ने अपने ऑनलाइन फ्रेंड पर उसे डरा-धमका कर उससे बलात्कार करने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

5 अगस्त को बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश) में एक युवती ने राजस्थान के एक युवक के विरुद्ध उसके साथ इंस्टाग्राम के जरिए दोस्ती करने के बाद उसे नशीली पेस्ट्री खिलाकर बेहोश करके उसके साथ बलात्कार करने और घटना का अश्लील वीडियो बना कर ब्लैकमेल करके लाखों रुपए वसूलने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

6 अगस्त को नागपुर (महाराष्ट्र) में इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद एक नाबालिगा को बंधक बना कर अपने पास रखने और उसका यौन उत्पीड़न करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया।

6 अगस्त को ही ग्वालियर (मध्य प्रदेश) में एक युवती ने इंस्टाग्राम पर बने दोस्त के विरुद्ध उसे नौकरी दिलाने के बहाने मुरैना के एक होटल में ले जाकर उससे बलात्कार करने के आरोप में शिकायत दर्ज करवाई।

12 अगस्त को सूरत (गुजरात) में पुलिस ने एक युवक को एक महिला से सोशल मीडिया पर दोस्ती करने के बाद डरा-धमका कर उससे कई बार बलात्कार करने और उसका वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर 36 तोले सोना व नकदी वसूल करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

और अब 16 अगस्त को नई दिल्ली में एक मेकअप आर्टिस्ट महिला को उसके ऑनलाइन फ्रेंड द्वारा काम दिलाने और शादी का झांसा देकर नशीला पदार्थ पिलाकर बलात्कार करने का मामला सामने आया है। उक्त घटनाओं से स्पष्ट है कि जवानी के जोश में सोशल मीडिया के जरिए युवकों से दोस्ती करना किस कदर खतरनाक हो सकता है। अतः महिलाओं को सावधानी बरतने की जरूरत है।सोशल मीडिया के जरिए ऑनलाइन रिश्तों में फंसकर कई युवतियां भावनात्मक, आर्थिक और शारीरिक शोषण का शिकार हो रही हैं। फर्जी पहचान, धोखेबाजी और ब्लैकमेलिंग के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जिससे कई बार पीड़िताओं की निजी जिंदगी और मानसिक स्थिति पूरी तरह तबाह हो जाती है।सोशल मीडिया पर किसी भी अजनबी की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें।व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रखें: अपना फोन नंबर, पता या वित्तीय विवरण ऑनलाइन साझा न करें।अगर बात करें भी, तो सामने वाले की सच्चाई की पूरी जांच करें।तुरंत शिकायत करें: किसी भी तरह की धमकी मिलने पर तुरंत परिवार को बताएं और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जेन अल्फा:स्कूल सुधार से लोकतांत्रिक चेतना तक

राज कुमार सिन्हा

सरकारी शिक्षा की बदहाली के खिलाफ सड़कों पर उतरती नई पीढ़ी सिर्फ सुविधाएं नहीं, जवाबदेही मांग रही है। भारत में एक नई पीढ़ी धीरे-धीरे अपने सामाजिक और राजनीतिक तेवर का परिचय दे रही है। यह जेन अल्फा जिसने मोबाइल, इंटरनेट, वीडियो और सोशल मीडिया की दुनिया में आंखें खोली है। अभी यह पीढ़ी मतदान की उम्र में नहीं पहुंची है, लेकिन लोकतंत्र की भाषा सीखने के लिए उसे अठारह वर्ष का इंतजार नहीं है।

भारत की सरकारी शिक्षा व्यवस्था की बदहाली का कोई एक अकेला कारण नहीं है, बल्कि इसके पीछे अपर्याप्त बजट आवंटन, बुनियादी ढांचे की कमी और जवाबदेही का अभाव है।स्कूलों में नियमित शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं और जो शिक्षक हैं, उनका शिक्षण स्तर व प्रशिक्षण आधुनिक समय के अनुकूल नहीं है।शिक्षा प्रणाली कौशल विकास या व्यावहारिक ज्ञान के बजाय केवल परीक्षा में अंक लाने और रटने पर जोर देती है। सरकारी शिक्षा की बदहाली के खिलाफ सड़कों पर उतरती नई पीढ़ी सिर्फ सुविधाएं नहीं, जवाबदेही मांग रही है। भारत में एक नई पीढ़ी धीरे-धीरे अपने सामाजिक और राजनीतिक तेवर का परिचय दे रही है। यह जेन अल्फा जिसने मोबाइल, इंटरनेट, वीडियो और सोशल मीडिया की दुनिया में आंखें खोली है। अभी यह पीढ़ी मतदान की उम्र में नहीं पहुंची है, लेकिन लोकतंत्र की भाषा सीखने के लिए उसे अठारह वर्ष का इंतजार नहीं है। जुलाई और अगस्त 2026 में उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान तक सरकारी तथा सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के बच्चों के आंदोलनों की जो श्रृंखला दिखाई दी है, वह इसी बदलाव का संकेत है। इन आंदोलनों की मांगें किसी राजनीतिक दल के घोषणापत्र से नहीं निकली है। वे बेहद बुनियादी हैं, शिक्षक चाहिए, पंखे चाहिए, साफ पानी चाहिए, शौचालय चाहिए, अच्छा भोजन चाहिए, सड़क चाहिए और सुरक्षित स्कूल चाहिए। लेकिन इन छोटी दिखाई देने वाली मांगों के भीतर भारतीय शिक्षा व्यवस्था की एक बहुत बड़ी विफलता छिपी हुई है। लखनऊ के जय प्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय की छात्राओं का हालिया आंदोलन इस बदलते माहौल का सबसे ताजा उदाहरण है। करीब 250 छात्राएं भारी बारिश के बीच स्कूल से बाहर निकलीं और सड़क पर उतरकर यातायात रोक दिया। उनकी शिकायतों में शिक्षकों की कमी और बुनियादी सुविधाओं का अभाव प्रमुख था। रिपोर्टों के अनुसार विज्ञान विषयों में शिक्षकों की कमी ने उनकी पढ़ाई को प्रभावित किया है। यह घटना अकेली नहीं है। कुछ दिन पहले इसी क्षेत्र में स्कूली बच्चों के विरोध और सड़क जाम की घटनाएं सामने आ चुकी थी। यानी बच्चों ने यह संदेश दे दिया है कि स्कूल के भीतर शिकायत की सुनवाई नहीं होती तो वे स्कूल के बाहर अपनी आवाज सुनाएंगे। यह आवाज अब एक जिले या एक राज्य तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के किशनपुर स्थित सर्वोदय इंटर कॉलेज में लगभग 1500 विद्यार्थियों ने कई घंटे धरना दिया। उनकी मांगों में साफ पीने का पानी, काम करने वाले पंखे, स्वच्छ शौचालय, फर्नीचर, पुस्तकालय और अन्य बुनियादी सुविधाएं शामिल थी। प्रशासन को छात्रों के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करनी पड़ी और कई मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन देना पड़ा। हमीरपुर में बच्चे स्कूल तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क की मांग को लेकर तिरंगा लेकर जिला मुख्यालय तक पहुंचे। कीचड़ और दलदल से गुजरकर स्कूल पहुंचना उनकी रोजमर्रा की समस्या थी। बिहार के गया जिले में बच्चों ने खराब मध्याह्न भोजन,

जिसमें कीड़े मिलने की शिकायत भी सामने आई, खराब पानी, गंदे शौचालय, पंखों और फर्नीचर की कमी के खिलाफ लगभग चार किलोमीटर मार्च किया।मध्य प्रदेश में भी यह लहर दिखाई दे रही है। छिंदवाड़ा के तामिया स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने मेस के भोजन की गुणवत्ता को लेकर बारिश में सड़क पर बैठकर विरोध किया। उनकी शिकायतों में भोजन में कीड़े मिलने और स्वास्थ्य तथा खेल सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दे शामिल थे।

उज्जैन में कई सरकारी स्कूलों की छात्राओं ने स्कूलों को शहर से दूर स्थानांतरित करने की योजना के खिलाफ कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया। छात्राओं का तर्क था कि दूर जाने से यात्रा का समय और खर्च बढ़ेगा तथा गरीब परिवारों की लड़कियों की पढ़ाई छूट सकती है। बच्चीयों के दबाव में कलेक्टर ने स्कूल स्थानांतरित करने के निर्णय को रोक दिया है। सिरोंज में छात्राओं के विरोध के बाद रियायती बस किराया 10 रुपये से बढ़ाकर 25 रुपये करने का फैसला वापस लेना पड़ा। महाराष्ट्र में भी शिक्षक अनुपस्थिति, शौचालय और पानी जैसे सवालों पर विद्यार्थियों के विरोध सामने आए हैं। यानी अलग-अलग राज्यों में बच्चे अलग-अलग स्कूलों में हैं, लेकिन उनकी शिकायतों की भाषा लगभग एक जैसी है। असल में ये आंदोलन सरकारी शिक्षा व्यवस्था के उस मॉडल पर सवाल उठा रहा है, जिसमें स्कूल का भवन तो बना दिया जाता है, लेकिन शिक्षक नहीं होते, शौचालय बना दिया जाता है लेकिन पानी नहीं होता, छात्रावास बना दिया जाता है लेकिन भोजन की गुणवत्ता और स्वास्थ्य सुविधाओं की निगरानी नहीं होती, सड़क का बजट स्वीकृत हो जाता है लेकिन बच्चे बारिश में कीचड़ से गुजरते रहते हैं। उनके लिए शिक्षा केवल किताब और परीक्षा नहीं है। शिक्षा का अर्थ है, कक्षा में शिक्षक, पीने का पानी, शौचालय, भोजन, बिजली, सुरक्षा, परिवहन और सम्मान। यही कारण है कि इन आंदोलनों में सबसे मुखर आवाज लड़कियों की दिखाई दे रही है। वे शिक्षा के साथ-साथ सुरक्षा और आवागमन के सवाल को भी सीधे जोड़ रही हैं। जेन जी से जेन अल्फा तक आंदोलन की तकनीक बदल रही है। अब इसका असर स्कूली बच्चों के आंदोलनों में दिखाई दे रहा है। बच्चा दूसरे जिले में हुए आंदोलन को देखता है और समझता है, 'अगर वहां के बच्चों ने अपनी मांग मनवाई है, तो हम भी अपनी आवाज उठा सकते हैं।' यही वह मनोवैज्ञानिक बदलाव है जो आने वाले वर्षों में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। जेन अल्फा की सबसे बड़ी ताकत उसकी डिजिटल पहुंच है। ट्विटर, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे लोकप्रिय एप्लिकेशन 21वीं सदी के युवा कार्यकर्ताओं के लिए नवीनतम उपकरण बन गए हैं। पिछली पीढ़ी में किसी सरकारी स्कूल की खराब स्थिति की शिकायत प्रधानाचार्य, शिक्षक, पंचायत या स्थानीय जनप्रतिनिधि तक सीमित रह जाती थी। शिकायत के बाद फाइल चलती थी और कई बार मामला वहीं समाप्त हो जाता था। आज बच्चे स्कूल के टूटे पंखे, गंदे शौचालय, खराब भोजन, कीचड़ भरे रास्ते या पानी की समस्या का वीडियो बना सकते हैं। फिर वही वीडियो कुछ घंटों में हजारों लोगों तक पहुंच सकता है। इससे स्थानीय समस्या सार्वजनिक जवाबदेही का विषय बन जाती है। यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है क्योंकि सोशल मीडिया ने बच्चों को सिर्फ दर्शक नहीं रखा है, उसने उन्हें दस्तावेज बनाने वाला नागरिक बना दिया है। अभी इसे देशव्यापी, एकीकृत और औपचारिक जेन अल्फा को राष्ट्रीय आंदोलन कहना उचित नहीं होगा। यह साफ तौर पर कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं है और इस आंदोलन का कोई 'नेता' नहीं है। अगर इस आंदोलन का नेतृत्व भी 'नेताओं' द्वारा किया जा रहा होता, तो यह उस मुकाम पर नहीं जा पाता, जहां तक पहुंच गया है। लेकिन इतिहास में बड़े आंदोलन हमेशा किसी एक दिन में राष्ट्रीय संगठन बनकर पैदा नहीं होते। वे पहले छोटे-छोटे स्थानीय असंतोषों से जन्म लेते हैं।आज लखनऊ में शिक्षक की मांग है।स्कूली बच्चों की इन सभी मांगों को एक सूत्र में बांध दें तो एक बड़ा सवाल सामने आता है कि 'सरकार हमारे लिए कैसी शिक्षा व्यवस्था बना रही है?' यही सवाल इस स्थानीय लहर को राष्ट्रीय मुद्दे में बदल सकता है।आज जेन अल्फा के अधिकांश बच्चे वोट नहीं देंगे। लेकिन यही बच्चे अगले कुछ वर्षों में पहली बार मतदाता बनने वाले हैं। इसलिए राजनीतिक दलों को इस पीढ़ी को केवल 'बच्चे' समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। यह वह पीढ़ी है जो अपने माता-पिता से अधिक डिजिटल जानकारी रखती है। यह वीडियो देखती है, तुलना करती है, सवाल पूछती है और प्रशासनिक कार्रवाई को सार्वजनिक रूप से दर्ज करती है।आज जो बच्चा स्कूल के पंखे के लिए सड़क पर बैठ रहा है। कल वही युवा पूछेगा कि मेरे गांव में अस्पताल क्यों नहीं है? मेरे गांव में पानी क्यों नहीं है? मेरे क्षेत्र में सड़क का काम वर्षों से अधूरा क्यों है? सरकार के बजट का पैसा आखिर गया कहां? यानी आज की स्कूल स्तरीय मांगें कल की लोकतांत्रिक और राजनीतिक चेतना का आधार बन सकती है। राजनीतिक दल यदि इस पीढ़ी की आवाज को केवल चुनावी नारे के रूप में इस्तेमाल करेंगे तो शायद यह पीढ़ी उसे भी स्वीकार नहीं करेगी। इसका सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इस आंदोलन का नेतृत्व हमेशा पारंपरिक राजनीतिक नेता नहीं करेंगे। बच्चे स्वयं मुद्दा उठाएंगे, वीडियो बनाएंगे, समूह बनाएंगे, प्रशासन को ज्ञापन देंगे और जरूरत पड़ने पर सड़क पर बैठेंगे। इन घटनाओं को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर पुलिस भेज देना सबसे आसान रास्ता है। लेकिन इससे समस्या खत्म नहीं होगी। सरकारों को यह समझना होगा कि सड़क पर बैठा बच्चा वास्तव में सरकारी स्कूल की रिपोर्ट कार्ड लेकर बैठा है। हर आंदोलन को दबाने के बजाय प्रत्येक जिले में स्कूलों की सार्वजनिक सोशल ऑडिट व्यवस्था विकसित की जा सकती है। स्कूलों में शिक्षक पदों की स्थिति, भोजन की गुणवत्ता, पानी, शौचालय, बिजली, छात्रावास और परिवहन जैसी सुविधाओं का वास्तविक समय में सार्वजनिक डैशबोर्ड बनाया जा सकता है। छात्रों की शिकायतों के लिए स्वतंत्र और समयबद्ध शिकायत प्रणाली होनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बच्चों की आवाज को 'अनुशासनहीनता' मानने के बजाय लोकतांत्रिक भागीदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। यह डिजिटल लामबंदी और सोशल मीडिया के जरिए पारंपरिक राजनीतिक दलों के नियंत्रण से मुक्त होकर स्वतः स्फूर्त रूप से उभर रहे हैं, जो सत्ता और शासन के खिलाफ नए राजनीतिक समीकरण खड़े कर रहे हैं। यह आंदोलन अभी छोटा है, बिखरा हुआ है और स्थानीय है, लेकिन इसके सवाल राष्ट्रीय हैं। राष्ट्रीय सवाल जब एक पीढ़ी की सामूहिक चेतना बन जाते हैं, तो राजनीति को अंततः बदलना ही पड़ता है।

लोक भाषा का संरक्षण आज के दौर की सबसे बड़ी जरूरत: विनोद बच्छेती

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी: दिल्ली भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद बच्छेती ने कहा कि गढ़वाली और कुमाऊंनी लोक भाषाओं का संरक्षण आज के दौर की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने चिंता जताई कि यदि नई पीढ़ी में अपनी लोक भाषाओं के प्रति जागरूकता पैदा नहीं की गई तो आने वाले एक–दो दशकों में ये भाषाएं मृतप्राय होने के कगार पर पहुंच सकती हैं।

दिल्ली भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बनने के बाद पहली बार अपने पैतृक गांव पहुंचे विनोद बच्छेती ने पौड़ी में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि तमाम व्यस्तताओं और परिस्थितियों के बावजूद प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मातृभूमि के प्रति दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने बताया कि राजनीतिक एवं अन्य व्यस्तताओं के बावजूद वे प्रत्येक दो माह में अपने पैतृक गांव पहुंचकर स्थानीय लोगों से संवाद करते हैं। लोक भाषाओं के

संरक्षण को लेकर अपने प्रयासों की जानकारी देते हुए बच्छेती ने कहा कि इसी क्रम में दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में करीब 52 स्थानों पर नई पीढ़ी के बच्चों को लोक भाषा सिखाने के लिए कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। इन कक्षाओं के माध्यम से बच्चों को गढ़वाली और कुमाउंनी भाषा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अपनी लोक भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान और जड़ों से जुड़ी विरासत है। यदि नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा से दूर होती गई तो आने वाले समय में हमारी सांस्कृतिक पहचान पर भी इसका असर पड़ेगा। बच्छेती ने कहा कि लोक भाषा के संरक्षण के लिए सरकार और सामाजिक संगठनों के साथ–साथ प्रत्येक परिवार को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने लोगों से घरों में बच्चों के साथ अपनी मातृभाषा में संवाद करने और नई पीढ़ी को लोक भाषाओं से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारी पहचान ही हमारी लोक भाषा से है, इसलिए इसके संरक्षण और संवर्धन के लिए सभी को अपने स्तर पर प्रयास सुनिश्चित करने होंगे।

तिलोथ में निर्माणाधीन एमआरएफ केंद्र का निर्माण रोकने की मांग

उत्तरकाशी। तिलोथ में निर्माणाधीन एफआरएफ सेंटर की साइट डेवलपमेंट कार्य की सुरक्षा दीवार पहली ही बरसात में क्षतिग्रस्त होने पर इसकी तकनीकी सुरक्षा और स्थल की मजबूती को लेकर सवाल उठने लगे हैं।सभासद व स्वच्छता समिति सदस्य अमरीकन पुरी ने मामले में निर्माण कार्य रोककर तकनीकी जांच कराने की मांग उठाई है। उन्होंने मामले की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल और शहरी विकास विभाग ईमेल के माध्यम से की है। उनका कहना है कि लगभग साठ लाख के साइट डेवलपमेंट कार्य में निर्मित सुरक्षा दीवार का पहली ही बरसात में क्षतिग्रस्त हो गई। यह सुरक्षा दीवार की नींव, निर्माण गुणवत्ता, जल निकासी, मिट्टी एवं स्थल की मजबूती सहित सभी तकनीकी पहलुओं पर एक बड़ा सवाल है। पुरी ने कहा कि लगभग तीन करोड़ की लागत इस एमआरएफ केंद्र का निर्माण किया जा रहा है। कहा कि अगर तेईस अगस्त तक वहां पर निर्माण कार्य रोकने के लिए लिखित आदेश सहित तकनीकी जांच नही की जाती है तो अन्य सभासदों के साथ मिलकर पालिका में धरना दिया जाएगा।

सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक हुए छात्र व शिक्षक, ली शपथ

जयन्त प्रतिनिधि। कमलपुर(पौड़ी । जनता इण्टर कालेज कमलपुर संगलाकोटी में प्रधानाचार्य संजयसिंह रावत के मार्गदर्शन में विद्यालय की प्रार्थना सभा में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान समस्त छात्र–छात्राओं, शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने मिलकर सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का पालन करने की शपथ ली। समारोह में उपस्थित सभी सदस्यों ने प्रतिज्ञा की कि वे वाहन चलाते एवं पैदल चलते समय पूरी सावधानी बरतेंगे। शपथ के दौरान दोपहिया वाहन चलाते समय बीआईएस (इक्स) स्वीकृत हेलमेट पहनने, पीछे बैठने वाली सवारी को भी हेलमेट प्रेरित करने, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग करने तथा कभी भी नशे या मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए तेज़ गति से वाहन न चलाने का संकल्प लिया गया। इसके अतिरिक्त आपातकालीन वाहनों (एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड) को प्राथमिकता से रास्ता देने और सड़क दुर्घटना में घायलों की निःसंकोच मदद करने का भी वादा किया गया। कार्यक्रम के अंत में "सुरक्षित यातायात – सुरक्षित जीवन" के संदेश के साथ 'जय हिंद' के नारे लगाए गए। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि इस प्रकार के अभियानों का मुख्य उद्देश्य युवाओं और समाज में यातायात नियमों के प्रति जिम्मेदारी की भावना जागृत करना है।

संक्षिप्त समाचार

एडीएम के आश्वासन पर किसानों का तीन दिवसीय धरना समाप्त

रुद्रपुर, कलक्ट्रेट परिसर में पिछले तीन दिनों से चल रहा किसानों का धरना रविवार को एडीएम पंकज उपाध्याय के आश्वासन के बाद समाप्त हो गया। किसानों ने स्पष्ट किया कि एक माह के भीतर मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो देहरादून कूच कर बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे। विभिन्न मांगों को लेकर कलक्ट्रेट परिसर में पिछले तीन दिनों से धरने पर बैठे किसानों ने रविवार को अपना आंदोलन समाप्त कर दिया। धरना उस समय खत्म हुआ जब एडीएम पंकज उपाध्याय ने किसानों से वार्ता कर उनकी मांगों पर नियमानुसार कार्रवाई और शासन स्तर पर मुद्दों को उठाने का आश्वासन दिया। किसान उत्तर प्रदेश की तर्ज पर बिजली बिल माफ करने, बंजर भूमि पर किसानों को मालिकाना हक देने समेत आठ सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे थे। किसानों का कहना था कि लंबे समय से मांगें उठाई जा रही हैं, लेकिन अब तक उनका समाधान नहीं हुआ। एडीएम के आश्वासन के बाद किसानों ने धरना समाप्त करने का निर्णय लिया। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एक महीने के भीतर उनकी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो वे देहरादून कूच कर सरकार के खिलाफ बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे।

पॉलीटेक्निक भवन निर्माण की राह आसान होने पर जताया आभार

ऊखीमठ। तल्लानागपुर क्षेत्र के चोपता स्थित राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान के भवन निर्माण के लिए करीब 12 वर्षों से लंबित वनभूमि संबंधी प्रकरण के निस्तारण पर क्षेत्रवासियों ने केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल का आभार जताया। ऊखीमठ में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि पॉलीटेक्निक संस्थान के भवन निर्माण के लिए आवश्यक भूमि से संबंधित वनभूमि पत्रावली लंबे समय से लंबित होने के कारण भवन निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पा रहा था। अब 12 वर्षों से लंबित वनभूमि संबंधी समस्या का समाधान हुआ है। तल्लानागपुर संघर्ष समिति के अध्यक्ष अमित प्रदाली ने कहा कि विधायक के प्रयासों से वर्षों से अटकी विकास की एक महत्वपूर्ण कड़ी अब धरातल पर आगे बढ़ी है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अर्जुन नेगी, जिला पंचायत सदस्य गंभीर बिष्ट, पूर्व जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मण बर्तवाल, संघर्ष समिति अध्यक्ष अमित प्रदाली, हर्ष लाल, दलवीर नेगी, दुर्गा करासी, सीता आदि मौजूद थे।

चार को होगी राधा कृष्ण नृत्य प्रतियोगिता

अगस्त्यमुनि। अगस्त्य रामलीला समिति की बैठक में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में तय किया गया कि चार सितंबर को सुबह नौ बजे से दोपहर एक बजे तक राधा–कृष्ण नृत्य प्रतियोगिता होगी। इसमें 5 से 11 वर्ष तक के बच्चे राधा–कृष्ण की जोड़ी के रूप में प्रतिभाग कर सकेंगे। समिति अध्यक्ष कमलेश जमलोकी ने बताया कि विजेताओं को प्रथम पुरस्कार के तौर पर 3000, द्वितीय 2100, तृतीय 1100, चतुर्थ 500 और पंचम पुरस्कार 251 रुपये दिया जाएगा। पंजीकरण की अंतिम तिथि तीन सितंबर तक है। जन्माष्टमी पर शाम चार बजे पुराने देवल से पुलिस चौकी तक शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद महर्षि अगस्त्य मंदिर में पूजा–अर्चना और प्रसाद वितरण होगा। आयोजन की व्यवस्थाओं के लिए सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में ललिता रौतेला, गंगाराम सकलानी, उमा कैंतुरा, माधव सिंह नेगी ,विनीता रौतेला, त्रिभुवन नेगी आदि मौजूद रहे।

डिजिटल पोस्टर चुनौती में शालिजा प्रथम

अगस्त्यमुनि। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अखिल भारतीय शिक्षा समागम–2026 के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 से विकसित भारत विषय पर विभिन्न रचनात्मक, सांस्कृतिक और नवाचारपरक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

डिजिटल पोस्टर चुनौती में शालिजा कांडपाल प्रथम, हिमानी भट्ट द्वितीय और प्रदीप तृतीय रहे। कविता एवं कहानी लेखन में निशा प्रथम, दीप्तांशी द्वितीय तथा लक्की राणा और निकिता तृतीय रहे। नवाचार प्रदर्शन में प्रिंस प्रथम, मुस्कान द्वितीय और प्रदीप तृतीय रहे।

सुतोल गांव में भूस्खलन, घरों और आंगन में पड़ीं दरारें

नंदानगर। विकासखंड नंदानगर के दूरस्थ गांव सुतोल में भूस्खलन से कई मकान खतरे की जद में आ गए हैं। स्थिति यह है कि करीब एक सप्ताह से तल्ला पूरणी व मल्ला पूरणी में भूस्खलन होने से घरों और आंगन में दरारें आ गई हैं। खतरे को देखते हुए लोगों ने विस्थापन की मांग उठाई।

तल्ला पूरणी व मल्ला पूरणी तोक सुतोल गांव से लगा हुआ है। इन तोकों में पिछले साल से भूस्खलन हो रहा है। हालांकि प्रशासन ने यहां के पांच परिवारों के विस्थापन की प्रक्रिया शुरू कर दी है लेकिन इस साल फिर यहां भूस्खलन शुरू हो गया है। इससे इन दोनों तोकों के करीब 10 मकान इसकी जद में आ गए हैं। इसमें हीरा

सिंह, गोविंद सिंह, पुष्कर सिंह, बखतवार सिंह, लक्ष्मण सिंह, यशपाल सिंह, गोविंद सिंह, कला देवी के आवासीय घर सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। इनके घरों में दरारें आ चुकी हैं और अन्य घरों पर भी खतरा मंडरा रहा है। कुछ घरों के आंगन तरह से धंस चुके हैं। ऐसे में इन भवनों के गिरने का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि विकासखंड नंदानगर का अंतिम गांव सुतोल है। नंदा देवी की बड़ी जात में यहां बड़ी संख्या में लोग आएंगे। ऐसे में जब गांव खुद खतरे की जद में है तो यात्रियों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। गांव के दर्शन सिंह, पार सिंह नेगी सहित प्रभावित परिवारों ने शासन–प्रशासन से उनके गांव का संज्ञान लेने की मांग की। भूस्खलन रोकने के लिए उचित उपाय किए जाएं।

भूस्खलन से टूटी लाइन, 18 घंटे गुल रही बिजली

नारायणबगड़। रात से गुल हुई पिंडरघाटी की बिजली रविवार शाम को 18 घंटे बाद बहाल हो पाई। बिजली न होने के कारण शनिवार रात को गरजते बादलों के बीच पिंडरघाटी के नारायणबगड़, थराली तथा देवाल ब्लॉक में अंधेरा छाया रहा। बारिश के चलते नलगांव के पास पहाड़ी से भूस्खलन होने के कारण 33 केवी विद्युत की हाईटेंशन लाइन क्षतिग्रस्त होने से पिंडरघाटी की बिजली आपूर्ति रात 9 बजे बंद हो गई थी। रविवार सुबह ऊर्जा निगम के कर्मियों ने लाइन की मरम्मत शुरू की और दोपहर 3 बजे 18 घंटों से ठप पड़ी आपूर्ति शुरू कर दी गई। दूरस्थ गांव झिंझोणी की प्रधान चैता देवी, शेर सिंह, गीता देवी, कर्ण सिंह आदि ने कहा कि लगातार बिजली गुल होने से बरसात में समस्या हो रही है।

भोजपत्र से निर्मित विशेष राखियां पीएम और सीएम को भेजी

ऊखीमठ। केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल के नेतृत्व में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने भोजपत्र से निर्मित विशेष राखी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भेजी है। ब्लॉक सभागार में मुख्यमंत्री सशक्त बहना योजना के तहत विभिन्न स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को राखी बनाने का प्रशिक्षण दिया गया जिसके बाद पारंपरिक कौशल और सृजनशीलता से भोजपत्र को एक रक्षासूत्र का स्वरूप प्रदान किया गया। विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि इन अवसरों का लाभ उठाकर हमारी बहनें अपने हुनर को स्वरोजगार से जोड़ रही हैं और आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं।

इस अवसर पर स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी अनीता पंवार, मीना भट्ट, धूमा देवी, संगीता देवी, योगेश गौड़, मास्टर ट्रेनर प्रेमलाल भारती, रेखा देवी आदि मौजूद रहे।

नशे के कारोबार के विरोध में राजपुरा में फूटा लोगों का गुस्सा

हल्द्वानी , राजपुरा क्षेत्र में मादक पदार्थों की कथित बिक्री से नाराज लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। स्थानीय लोगों ने पुलिस चौकी का घेराव कर सख्त कार्रवाई की मांग की। आरोप है कि पुलिस की मौजूदगी में ही एक महिला के साथ अभद्रता और गाली–गलौज की गई।

हल्द्वानी के कोतवाली क्षेत्र के राजपुरा इलाके के लोगों ने शनिवार को मादक पदार्थों की बिक्री को लेकर चौकी का घेराव किया। वहीं राजपुरा की ही रहने वाली महिला जब पुलिस लेकर उस मकान पर लेकर पहुंची जहां मादक पदार्थों की धड़ल्ले से बिक्री होती है, तब वहां मौजूद लोगों ने उनसे पुलिस के सामने ही अभद्रता कर डाली। आरोप है कि पुलिस खड़े–खड़े देखती रही लेकिन आरोपियों पर कार्रवाई नहीं की। काफी देर हंगामे के बाद पुलिस लोगों को शांत करा पाई। कांग्रेस यूथ कांग्रेस उपाध्यक्ष हेमंत साहू ने बताया कि वह राजपुरा के लोगों संग मिलकर लंबे समय से क्षेत्र में मादक पदार्थों की बिक्री के विरोध में अभियान चला रहे हैं। जब लोग चौकी पहुंचे तब पुलिस के पूछने पर ही क्षेत्रीय महिला पुलिसकर्मियों को लेकर उस मकान पर पहुंची जहां मादक पदार्थों की बिक्री करने की बात कही जाती है।

कर्णप्रयाग: सिमली बाजार में घुसा गदेरे का पानी घुसा, सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त

बारिश से वन विभाग की नर्सरी भी धंसी, नौटी सड़क पर आया मलबा

कर्णप्रयाग। भारी बारिश के बाद सिमली गांव में गदेरा उफान आ गया। इसका पानी और मलबा सिमली बाजार में घुसने से स्थानीय लोगों में अफरातफरी मच गई। पूर्व प्रधान पीतांबरी देवी ने बताया कि उनके मकान और व्यापारिक प्रतिष्ठान की सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त हुई। उन्होंने प्रशासन से क्षति का आकलन कर गदेरे में सुरक्षा दीवार और चेकडैम बनाने की मांग की।

देवेंद्र सिंह बिष्ट के घर के बाथरूम में भी पानी घुस गया था। राजस्व उप निरीक्षक अजय कुशवाह ने बताया कि पानी और मिट्टी हाईवे तथा आसपास के घरों तक पहुंच गई थी। हालांकि, किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। सड़क का मलबा एनएच विभाग के कर्मियों ने हटा दिया है। दूसरी ओर नौटी रोड पर वन विभाग की नर्सरी का एक हिस्सा भूधंसाव से क्षतिग्रस्त

हो गया। इसका मलबा सड़क पर आने से कुछ देर तक यातायात ठप रहा। बाद में जेसीबी से मलबा हटाकर यातायात सुचारु कर दिया गया। वहीं नगर पालिका के सुभाषनगर में एक मकान के परिसर का पुश्ता दरकने से पैदल रास्ता बंद हो गया और मकान खतरे की जद में आ गया।

नैनीताल में बारिश के बाद मॉलरोड और डीएसए मैदान में जलभराव

नैनीताल। पर्यटन नगरी नैनीताल की व्यवस्थाओं को रविवार हुई मूसलाधार बारिश ने एक बार फिर आईना दिखा दिया। दोपहर में तेज बारिश शुरू होते ही नैनीताल की लोअर मॉलरोड पानी से लबालब हो गई। कुछ ही देर में सड़क ने तालाब का रूप ले लिया। पैदल राहगीरों से लेकर दोपहिया वाहन चालकों तक के लिए आवाजाही मुश्किल हो गई। वहीं डीएसए खेल मैदान भी जलभराव की चपेट में आ गया। जल निकासी की बदहाल व्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों ने जिम्मेदार विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। रविवार दोपहर हुई तेज बारिश के दौरान लोअर मॉलरोड पर पानी की निकासी नहीं हो सकी। सड़क पर जगह–जगह पानी जमा होने से राहगीरों को पानी के बीच से गुजरना पड़ा। दोपहिया वाहन चालक भी परेशानी में नजर आए। जबकि चार पहिया वाहनों के गुजरने से उछलता पानी लोगों को तर करता नजर आया। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर पानी का लगातार जमा होना सड़क के क्षतिग्रस्त होने की बड़ी वजह बन रहा है। इसके बावजूद जल निकासी व्यवस्था को

लेकर स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है।

डीएसए मैदान में भी जमा हुआ पानी

बारिश का असर डीएसए खेल मैदान में भी देखने को मिला। बास्केटबॉल कोर्ट के समीप जलभराव होने से मैदान का हिस्सा पानी में डूब गया। निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी पंत पार्क की ओर बहता रहा और वाल्मीकि पार्क से होते हुए नैनीझील में पहुंचता रहा। इस दौरान यहां से गुजरते पर्यटकों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

सुल्तानपुर पट्टी–कोसी बांध मार्ग पर दिखा तेंदुआ, क्षेत्र में दहशत

उधमसिंह नगर। सुल्तानपुर पट्टी–कोसी बांध मार्ग पर तेंदुए की मौजूदगी ने स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है। देर शाम सड़क किनारे तेंदुआ दिखाई देने के बाद राहगीरों में अफरा–तफरी मच गई। घटना का वीडियो सोशल तेजी से वायरल हो रहा है। सुल्तानपुर पट्टी–कोसी बांध मार्ग पर देर शाम तेंदुआ

घूमता हुआ दिखाई देने से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। राहगीरों ने सड़क किनारे झाड़ियों के पास तेंदुए को घूमते देखा, जिसके बाद कुछ लोगों ने उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग को अवगत कराया गया। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से इस क्षेत्र में तेंदुए की गतिविधियां बढ़ गई हैं। शाम ढलते ही सड़क पर आवाजाही कम हो जाती है, जिससे लोगों में किसी अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई है।

315 दिनों की पैदल यात्रा में नापे 12 ज्योतिर्लिंग और चारधाम

अल्मोड़ा के मनोज पांडे 315 दिनों की पैदल यात्रा पूरी कर 12 ज्योतिर्लिंगों और चारों धाम के दर्शन करने के बाद सकुशल घर लौट आए। इस दौरान उन्होंने विभिन्न राज्यों में बच्चों और बालिकाओं को आत्मरक्षा और योग का प्रशिक्षण भी दिया। दृढ़ इच्छाशक्ति और मजबूत हौसले के दम पर नगर के एनटीडी निवासी मनोज पांडे ने एक नया इतिहास रच दिया है। देश के कोने–कोने में स्थित 12 ज्योतिर्लिंगों और चारों धामों की पैदल परिक्रमा कर वे पूरे 315 दिनों बाद सकुशल अपने घर लौटे हैं। लंबी, दुर्गम और बेहद चुनौतीपूर्ण यात्रा को फतह कर गृहक्षेत्र पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया।

मनोज पांडे की यह यात्रा सिर्फ धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं थी, बल्कि उन्होंने इसे एक सामाजिक मिशन का रूप दिया। अपनी 315 दिनों की लंबी पैदल यात्रा के दौरान उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में बच्चों और बालिकाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए। उन्होंने जगह–जगह रुककर बच्चों को योग, ध्यान और आत्मविश्वास बढ़ाने के प्रति जागरूक किया।

विभिन्न शिविरों के माध्यम से उन्होंने बालिकाओं को अपनी सुरक्षा खुद करने और हर परिस्थिति में सजग रहने का एक मजबूत संदेश दिया। यात्रा पूरी कर वापस अल्मोड़ा पहुंचने पर एनटीडी में स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया। वहां भुवन तिवारी, सौरभ वर्मा, लक्षित तिवारी, प्रमोद तिवारी आदि मौजूद रहे।

यात्रा इंसान को सिखाती है विनम्र और छोटा होना

अपने कठिन सफर के अनुभवों को साझा करते हुए मनोज पांडे ने कहा यात्रा मनुष्य को छोटा होना सिखाती है, बौना होना सिखाती है। जब तक आप कुबाटा (कठिन और उबड़–खाबड़ रास्तों) पर नहीं चलेंगे तब तक आप एक सच्चे और अच्छे यात्री नहीं बन सकते। उन्होंने बताया कि पहाड़ों और मैदानों के इन दुर्गम रास्तों ने उन्हें जीवन में विनम्रता, असीम धैर्य और हर परिस्थिति से लड़कर सीखने की कला सिखाई है। कठिन रास्ते ही इंसान को भीतर से फौलाद बनाते हैं और जीवन को देखने का एक नया नजरिया देते हैं।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

संक्षिप्त समाचार

5 साल की हिंद रजब जिस कार में थी, उस पर सैनिकों ने 355 गोलियां बरसाई थीं

यरुशलम/काहिरा, एजेंसी। इस्राइली सेना ने 934 दिन बाद पहली बार स्वीकारा है कि जनवरी 2024 में गाजा में पांच साल की फलस्तीनी बच्ची हिंद रजब और उसके परिवार को ले जा रही कार पर उसके सैनिकों ने ही गोलियां चलाई थीं। सैनिकों ने हिंद और उसके परिवार की कार पर 355 गोलियां चलाई थीं। यह घटना दुनियाभर में गहरा आक्रोश पैदा कर चुकी है और अब सेना ने इस मामले में आपराधिक जांच के आदेश दे दिए हैं। 29 जनवरी 2024 को गाजा शहर के तेल अल-हावा इलाके में हिंद रजब अपने छह परिजनों के साथ एक कार में यात्रा कर रही थी, तभी इस्राइली सेना ने कार पर गोलीबारी कर दी। हिंद और उसकी चचेरी बहन लायन को छोड़कर बाकी सभी की मौके पर ही मौत हो गई। लायन ने फलस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी की आपात सेवा को फोन किया और गोलियों व चीख-पुकार के बीच हालात बताती रही, तभी कॉल कट गई। इसके बाद हिंद ने खुद एक कॉल का जवाब दिया और अरबी भाषा में ऑपरेटर से कहा, टैंक मेरे बगल में है...डर लग रहा है, प्लीज आ जाओ। फिर गोलियों की आवाज गूंजी और कॉल अचानक कट गई। एजेंसी फलस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने बच्चों को बचाने के लिए एक एंबुलेंस भी भेजी। इसकी जानकारी पहले ही इस्राइली सेना को दे दी गई। इसके बावजूद, इस्राइली सेना ने एंबुलेंस पहुंचने के बाद उस पर भी एक गोला दागा, जिसमें दो पैरामेडिक्स की मौके पर ही मौत हो गई।

ट्रंप के खास एड मार्टिन की जस्टिस डिपार्टमेंट से विदाई- राष्ट्रपति ने दी नई जिम्मेदारी; क्या होगी नई भूमिका

वाशिंगटन, एजेंसी। एड मार्टिन ट्रंप प्रशासन में कई विवादित भूमिकाएं निभाने के बाद जस्टिस डिपार्टमेंट से विदा हो रहे हैं। ट्रंप के अनुसार, अब मार्टिन 2026 के मिड-टर्म और 2028 के राष्ट्रपति चुनावों से जुड़ी कानूनी लड़ाइयों पर ध्यान देंगे। उनकी विदाई ऐसे समय हुई है जब ट्रंप प्रशासन चुनावी प्रक्रिया, गैर-नागरिकों के मतदान और संघीय सरकार की चुनावों में भूमिका को लेकर सक्रिय है। मार्टिन का ट्रंप के चुनावी आंदोलन और 6 जनवरी की घटनाओं से जुड़ा पुराना संबंध भी उन्हें इस राजनीतिक लड़ाई का महत्वपूर्ण चेहरा बनाता है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि मार्टिन जस्टिस डिपार्टमेंट में 'पार्डन अटॉर्नी' यानी राष्ट्रपति की माफी से जुड़े मामलों के वकील का पद छोड़ रहे हैं। अब वह इस साल होने वाले मिड-टर्म चुनाव और 2028 के राष्ट्रपति चुनाव से जुड़ी 'कानूनी लड़ाइयों' पर ध्यान केंद्रित करेंगे। ट्रंप ने लिखा, मुझे पता है कि वह बहुत अच्छा काम करेंगे। वह यह सुनिश्चित करेंगे कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और ईमानदार हों तथा हमारे संवैधानिक अधिकारों को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे। पिछले साल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया के लिए अंतरिम अमेरिकी अटॉर्नी नियुक्त किए जाने के बाद से ही मार्टिन ट्रंप प्रशासन में विवादों के केंद्र में रहे। इस पद पर रहते हुए उन्होंने ट्रंप की ओर से 6 जनवरी की घटनाओं से जुड़े आरोपियों को बड़े पैमाने पर माफी दिए जाने के बाद उन मामलों को समाप्त करने की प्रक्रिया की निगरानी की थी।

ट्रंप को भी हद दिखाने वाली मेलोनी, तीन फीसदी वोट से सत्ता तक पहुंचीं; अब बना रहीं नया रिकॉर्ड

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी इन दिनों अपने राजनीतिक सफर की वजह से चर्चा में हैं। वह न सिर्फ अपनी सरकार को लगातार मजबूत बनाए रखने में सफल रही हैं, बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे ताकतवर नेता को भी कई मौकों पर दो टूक जवाब दे चुकी हैं। मेलोनी 4 सितंबर को इटली गणराज्य यानी 1946 के बाद सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाने जा रही हैं। उनका यह सफर इसलिए भी खास है, क्योंकि जिस पार्टी को उन्होंने खड़ा किया था, वह कभी सिर्फ 3 फीसदी वोट पर अटकी रहती थी। मेलोनी और ट्रंप के बीच कई मौकों पर मतभेद सामने आए हैं। ट्रंप ने एक बार आरोप लगाया था कि जी-7 शिखर सम्मेलन में मेलोनी उनके साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए गिड़गिड़ाई थीं। इस पर मेलोनी ने जवाब दिया कि इटली कभी किसी के आगे भीख नहीं मांगता। जब ट्रंप ने वेटिकन के पोप पर निशाना साधा, तब भी मेलोनी ने साफ कहा कि इटली में कई मुद्दों पर बहस हो सकती है, लेकिन पोप का अपमान स्वीकार नहीं किया जाएगा। कभी ट्रंप के शपथ ग्रहण में शामिल होने वाली इकलौती यूरोपीय राष्ट्राध्यक्ष रहीं मेलोनी अब वाशिंगटन से बातचीत को लेकर अलग रुख अपना रही हैं। तीन फीसदी वोट वाली पार्टी सत्ता तक कैसे पहुंची मेलोनी का राजनीतिक सफर बेहद कम उम्र में शुरू हुआ।

नवाज शरीफ की 2019 वाली स्क्रिप्ट दोहरा रहे इमरान, क्या सरकार के साथ इलाज के नाम पर हो चुकी है डील

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की राजनीति में जेल, अदालत और सत्ता का रिश्ता हमेशा बेहद उलझा हुआ रहा। अब पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर पैदा हुआ नया विवाद इसी पुराने राजनीतिक पैटर्न की याद दिला रहा है। 18 अगस्त 2026 को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने जेल में बंद इमरान खान को अस्पताल ले जाने का आदेश दिया। इसके दो दिन बाद सरकार ने संकेत दिया कि अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें इलाज के लिए विदेश भी भेजा जा सकता है, लेकिन इसके लिए कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। यही वजह है कि 2019 का नवाज शरीफ प्रकरण फिर चर्चा में आ गया। उस समय भी मामला जेल में बंद एक पूर्व प्रधानमंत्री की बिगड़ती सेहत से शुरू हुआ था। मेडिकल आधार पर राहत मिलने के बाद नवाज शरीफ को इलाज के लिए लंदन जाने की अनुमति मिली थी। उनकी मौजूदा चिकित्सा स्थिति तथा कानूनी स्थिति अलग है। इसलिए सवाल डील का कम और पाकिस्तान की उस राजनीतिक परंपरा का ज्यादा है। इसमें जेल में बंद बड़े नेताओं को स्वास्थ्य के आधार पर राहत मिलने के बाद सियासी समीकरण बदलते रहे हैं। चलिए पहले इतिहास में चलते हैं और जानते हैं कि नवाज शरीफ के साथ क्या हुआ था।

2019 में नवाज शरीफ के साथ क्या हुआ था : नवाज शरीफ उस समय भ्रष्टाचार के एक मामले में

जेल की सजा काट रहे थे। उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया और मेडिकल आधार पर राहत का रास्ता खुला। फरवरी 2019 में इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने मेडिकल आधार पर उनकी जमानत याचिका खारिज की थी, लेकिन बाद के महीनों में उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर मामला फिर गंभीर हुआ। अक्तूबर-नवंबर 2019 में उन्हें मेडिकल आधार पर जमानत मिली और इलाज के लिए विदेश जाने का रास्ता तैयार हुआ। नवंबर 2019 में पाकिस्तान सरकार ने नवाज शरीफ को इलाज के लिए चार सप्ताह के लिए विदेश जाने की एक बार की अनुमति दी थी। सरकार ने इसके लिए एक क्षतिपूर्ति बांड की शर्त भी रखी थी। बाद में लाहौर हाईकोर्ट के आदेश के बाद विदेश जाने की प्रक्रिया आगे बढ़ी और नवाज शरीफ लंदन चले गए। उनके साथ उस समय उनके भाई शहबाज शरीफ भी थे। यानी 2019 का घटनाक्रम सीधे तौर पर जेल से शुरू होकर मेडिकल जांच, अदालत की राहत और फिर विदेश में इलाज तक पहुंचा था। आज इमरान खान के मामले में भी जेल से अस्पताल और फिर संभावित विदेश इलाज की बात सामने आई है। यही समानता दोनों मामलों को एक साथ देखने की वजह बन रही है।

क्या सरकार सच में इमरान को विदेश भेज सकती है : यही इस पूरे मामले का सबसे अहम सवाल है। 20 अगस्त को पाकिस्तान सरकार ने संकेत दिया कि अगर इमरान खान के इलाज के लिए जरूरत पड़ी तो उन्हें विदेश भेजने की संभावना पर विचार किया जा सकता है। हालांकि सरकार ने साफ किया कि इसके लिए कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। यानी अभी ऐसा कोई फैसला नहीं हुआ है कि इमरान खान को लंदन या किसी दूसरे देश भेजा जा रहा है। सरकार की बात इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि जेल में बंद किसी बड़े राजनीतिक नेता को विदेश इलाज के लिए भेजना केवल मेडिकल फैसला नहीं रहता। इसमें अदालत, जेल प्रशासन, सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की भूमिका भी जुड़ जाती है। नवाज शरीफ के मामले में भी विदेश जाने के लिए अदालत और सरकार के स्तर पर कई कानूनी कदम उठे थे। उनके लिए पहले मेडिकल आधार पर राहत मिली और फिर विदेश जाने की अनुमति की प्रक्रिया पूरी हुई थी। इसलिए इमरान के मामले में अभी सबसे सही बात यही है कि विदेश इलाज का विकल्प खुला बताया गया है, लेकिन उसे अंतिम फैसला नहीं माना जा सकता। अगर आगे अदालत या सरकार की ओर से औपचारिक अनुमति मिलती है, तभी इसे नवाज शरीफ वाले घटनाक्रम की अगली कड़ी माना जा सकेगा।

क्या इमरान और नवाज के मामलों में सचमुच समानता है : दोनों मामलों में पहली बड़ी समानता यह है कि दोनों पूर्व प्रधानमंत्री जेल में थे और स्वास्थ्य को लेकर गंभीर सवाल उठे। दोनों मामलों में मेडिकल जांच और अदालत की भूमिका सामने आई। दोनों मामलों में विदेश में इलाज की संभावना भी चर्चा में आई। लेकिन दोनों की कानूनी स्थिति बिल्कुल समान नहीं है। नवाज शरीफ को 2019 में विदेश जाने की अनुमति एक तय प्रक्रिया के तहत मिली थी, जबकि इमरान खान के मामले में अभी सरकार ने केवल जरूरत पड़ने पर विदेश इलाज की संभावना जताई है। दूसरी बड़ी बात यह है कि इमरान के खिलाफ इस समय भी कई कानूनी मामले और अपीलें चल रही हैं। एक मामले में वह 14 साल की सजा काट रहे हैं, जबकि कई अन्य मामलों में सजा निलंबित या फैसले पलटे जा चुके हैं। ऐसे में विदेश जाना केवल स्वास्थ्य का मामला नहीं होगा। यह कानूनी अनुमति और उनकी हिरासत की स्थिति से भी जुड़ा होगा। यही कारण है कि इमरान खान के समर्थक इसे राहत की शुरुआत के रूप में देख सकते हैं।

होर्मुज को लेकर यूएस कर रहा क्या तैयारी: इधर ट्रंप ने दी ईरान को धमकी, उधर रूबियो ने की ओमान को साधने की कोशिश

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण बनाने को लेकर तनाव चरम पर है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन उनके अनुसार वह सही डील के लिए अभी तैयार नहीं है। उन्होंने दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच क्षेत्र के महत्वपूर्ण इलाकों पर अमेरिका के नियंत्रण का दावा भी दोहराया। ट्रंप ने कहा कि ईरान के खिलाफ आर्थिक कदमों का यह मतलब नहीं है कि अमेरिका के पास सैन्य विकल्प सीमित हो गए हैं। ट्रंप ने कहा, नहीं, बिल्कुल नहीं। इसका सिर्फ मतलब है कि हम देख रहे हैं कि क्या होता है। उनके पास पैसा नहीं है, उनके पास नौसेना नहीं है, उनके पास वायुसेना नहीं है, वे अपने सैनिकों को वेतन नहीं दे रहे हैं, वे अपनी पुलिस को वेतन नहीं दे रहे हैं, वहां 350 प्रतिशत महंगाई है।

ट्रंप ने दोहराया होर्मुज पर नियंत्रण का दावा : अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा, हम बस यह देखेंगे कि क्या होता है और जैसा कि आप जानते हैं, सीमा पर हमारा पूरा नियंत्रण है। हमारे पास पूरी तरह नियंत्रण है। अगर आप नाकाबंदी को देखें, तो हमारे पास होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े पूरे क्षेत्र पर पूरा नियंत्रण है। ट्रंप ने कहा कि ईरान समझौते में रुचि रखता है, लेकिन उसने अभी तक उन शर्तों को स्वीकार नहीं किया है, जिन्हें वॉशिंगटन चाहता

है। उन्होंने कहा, तो वे समझौता करना चाहते हैं, लेकिन मेरी राय में वे सही डील करने के लिए तैयार नहीं हैं। ट्रंप का यह बयान वॉशिंगटन और तेहरान के बीच जारी तनाव के बीच आया है। ट्रंप ने हाल ही में ईरान के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा आर्थिक अभियान शुरू करने की घोषणा की थी। उन्होंने ईरान को वित्तीय, कारोबारी या सरकारी समर्थन देने वाले देशों को बहुत गंभीर आर्थिक परिणाम भुगतने की चेतावनी दी थी। इस बीच अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने वॉशिंगटन में अमेरिका में ओमान के राजदूत तलाल अल रहबी से मुलाकात की। दोनों ने आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा की और दोनों देशों के बीच मजबूत सहयोग को दोहराया। ओमान के दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, महामहिम राजदूत तलाल अल रहबी ने वाशिंगटन डीसी में इंस्टीट्यूट ऑफ पीस में अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम से इतर अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की।

कनाडा पर फूटेगा ट्रंप का टैरिफ बम: यूएस के साथ व्यापार वार्ता नाकामयाब, कनाडाई उत्पादों पर लगेगा 50 प्रतिशत शुल्क

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका शनिवार तड़के कनाडा के करीब 20 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने वाला है। आखिरी समय में हुई बातचीत के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर सहमति नहीं बन सकी। इससे पहले से तनावपूर्ण संबंधों में और खटास बढ़ गई है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने शनिवार आधी रात से कुछ देर पहले पत्रकारों के साथ एक कॉल में पढ़े गए बयान में कहा, कनाडा ने इस सप्ताह की शुरुआत में तय शर्तों के तहत व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से इनकार कर दिया। अमेरिका ने कनाडा को हमारे बाजार में किसी भी बड़े निर्यातक के मुकाबले सबसे बेहतर शर्तें देने की पेशकश की थी। इसके बावजूद कनाडा की नई मांगों और कुछ अन्य प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने के कारण पिछले कुछ दिनों में बनाई गई संतुलित व्यवस्था बिगड़ गई।

व्यापार समझौते को लेकर क्या बोले मार्क कार्नी : कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने जवाब दिया, अमेरिका की प्रस्तावित शर्तों में आखिरी समय में किए गए बदलाव अनुचित और आर्थिक रूप से नुकसानदेह थे। उन्होंने किसी भी समझौते की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए जाने वाले आयात शुल्क से कनाडा से अमेरिका भेजे जाने वाले कुल उत्पादों में से करीब पांच प्रतिशत प्रभावित होंगे। इनमें हॉकी स्टिक से लेकर जीभ की जांच में इस्तेमाल होने वाली लकड़ी की छोटी छड़ियां तक शामिल हैं।

तीन दिन की समय सीमा बढ़ी, फिर भी नहीं बनी बात हालांकि, इसका राजनीतिक असर आर्थिक नुकसान से भी बड़ा होने की संभावना है। पिछले साल दोनों देशों के बीच करीब 880 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं का कारोबार हुआ था। इन शुल्कों को शुरुआत में बुधवार रात 12 बजकर 1 मिनट से लागू किया जाना था। लेकिन ट्रंप ने बातचीत जारी रखने के लिए समय सीमा तीन दिन बढ़ा दी थी। इसके बावजूद दोनों देश तय समय तक किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके।

कनाडा के गुरुद्वारे में चाकूबाजी- सुबह की अरदास के दौरान मचा हंगामा; दो लोग घायल, पीएम कार्नी ने जताई संवेदनाएं

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के एडमंटन स्थित नानकसर गुरसिख गुरुद्वारा में शादी समारोह से पहले सुबह की प्रार्थना के दौरान एक व्यक्ति ने कथित तौर पर हंगामा किया। उसे काबू करने की कोशिश के दौरान हुई झड़प में दो पुरुषों पर चाकू से हमला हुआ। पुलिस ने एक व्यक्ति को मौके से गिरफ्तार किया है और दोनों घायलों की चोटें गंभीर नहीं हैं। हमले की वजह और यह हेट क्राइम था या नहीं, इसकी जांच जारी है। घटना के बावजूद गुरुद्वारे में शादी समारोह तय समय पर आयोजित किया गया। सुबह 5 बजे के बाद गुरुद्वारे में मचा हड़कंप यह घटना एडमंटन के उत्तर-पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित नानकसर गुरसिख गुरुद्वारा मंदिर में सुबह 5 बजे के कुछ समय बाद हुई। एडमंटन पुलिस सर्विस ने बताया कि 14 स्ट्रीट और हॉर्सहिल रोड के पास हुई घटना की सूचना

मिलने पर अधिकारियों ने मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। आपातकालीन सेवाओं ने दो घायलों का इलाज किया।

हमले के पीछे की वजह अभी साफ नहीं : पुलिस ने अभी तक हमले के पीछे की वजह का खुलासा नहीं किया है। यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि मामले की जांच संभावित घृणा-प्रेरित अपराध यानी हेट क्राइम के तौर पर की जा रही है या नहीं।

शादी से पहले प्रार्थना में घुसा आरोपी : गुरुद्वारा प्रतिनिधि हरमीत सहगल ने बताया कि एक व्यक्ति गुरुद्वारे के अंदर आया और बाद में होने वाली शादी से पहले चल रही सुबह की प्रार्थना में बाधा डालने लगा। ग्लोबल न्यूज के मुताबिक, सहगल ने कहा, ÷वह अंदर आया और हंगामा करने लगा। हमारी सुबह की प्रार्थना बाधित हो गई। जो लोग प्रार्थना कर रहे थे, उन्होंने इस व्यक्ति को देखा। ऐसा लग रहा था कि वह यहां आने वाला कोई सामान्य श्रद्धालु नहीं था।

समझाने की कोशिश नाकाम, हाथापाई के बाद चाकूबाजी सहगल के मुताबिक, प्रार्थना करा रहे लोगों ने पहले उस व्यक्ति से बात कर उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन उसने सहयोग नहीं किया। उन्होंने कहा, %वह व्यक्ति किसी की बात नहीं सुन रहा था। इसलिए उन्होंने उसे काबू करने की कोशिश की। उसने भी इसका विरोध किया।

झड़प में दो लोगों को चाकू मारा गया : इसी टकराव के दौरान दो लोगों पर चाकू से हमला किया गया। सहगल ने बताया कि हमले के बाद दोनों घायल होश में थे। उन्होंने कहा, आखिरी बार जब मैंने सुना, तब दोनों बात कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, दोनों घायलों की हालत गंभीर नहीं है और उनकी चोटें जानलेवा नहीं बताई गई हैं। सुबह हुई इस हिंसक घटना के बावजूद गुरुद्वारे में शादी समारोह को रद्द नहीं किया गया। समारोह सुबह करीब 10-30 बजे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किया गया। सहगल ने कहा कि राहत की बात यह रही कि गुरुद्वारे की संपत्ति को कोई खास नुकसान नहीं पहुंचा और विशेष रूप से सिख धर्मग्रंथ भी सुरक्षित रहे, जिन्हें समुदाय में बेहद पवित्र माना जाता है।

दिन-रात काम फिर भी नहीं पल रहा परिवार, क्या चीन के गिग वर्कर्स का सपना टूट रहा सरकार की नजरें टेढ़ी

यान जुआंग, एजेंसी। चीन में आर्थिक दबाव और कठिन कामकाजी हालात अब केवल आंकड़ों या रोजगार के सवाल तक सीमित नहीं रह गए हैं। इनका असर वहां के श्रमिकों की लिखी कविताओं और किताबों में भी दिखाई देने लगा है। फूड डिलीवरी बॉय, कूरियर कर्मचारी और फैक्ट्री मजदूर अपनी रोजमर्रा की परेशानियों, कम आमदनी और परिवार से दूरी को साहित्य के जरिए सामने ला रहे हैं। यह श्रम साहित्य चीन के मध्य वर्ग और युवाओं के बीच भी जगह बना रहा है। इसकी वजह यह है कि बहुत से लोगों को इन रचनाओं में अपनी जिंदगी की झलक दिखाई देती है। क्यों साहित्य में उतर रही है मजदूरों की मुश्किल जिंदगी फूड डिलीवरी

ड्राइवर रहे वांग जिबिंग की कविताएं चीन के श्रमिक जीवन की इसी तस्वीर को सामने रखती हैं। उनकी एक कविता में ऐसे डिलीवरी कर्मचारी की जिंदगी दिखाई गई है, जो दूसरे शहर में रहकर दिन-रात काम करता है। उसके लिए हर मिनट का मतलब एक और ऑर्डर पूरा करना है, लेकिन इतनी मेहनत के बाद भी परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी नहीं हो पातीं। घर से दूर रहने के कारण वह अपने बच्चे से भी दूर होता जाता है। यह कहानी अकेले एक व्यक्ति की नहीं मानी जा रही, बल्कि चीन में काम कर रहे कई प्रवासी मजदूरों और गिग वर्कर्स की स्थिति को दिखाती है। ऐसे श्रमिक साहित्य में आर्थिक दबाव, थकान, अपमान और बेहतर जीवन की अधूरी उम्मीद जैसे विषय लगातार सामने आ रहे हैं। क्या गिग वर्कर्स और फैक्ट्री मजदूरों की आवाज अब दबाना मुश्किल हो रहा है चीन में कई मजदूर, डिलीवरी कर्मचारी और फैक्ट्री वर्कर अपनी वास्तविक जिंदगी को कहानियों और कविताओं में बदल रहे हैं। युवाओं में बेरोजगारी की ऊंची दर और बेहतर जीवन की उम्मीदों के कमजोर पड़ने से इस साहित्य की मांग बढ़ रही है। इन रचनाओं में वे कठिनाइयां सामने आती हैं, जिन्हें सरकारी नियंत्रण वाले मीडिया में बहुत कम जगह मिलती है। श्रमिक साहित्य के बढ़ते प्रभाव से चीन के अधिकारी भी इसके प्रति सतर्क बताए जा रहे हैं। इसकी खास वजह यह है कि ये रचनाएं किसी राजनीतिक भाषण की तरह नहीं, बल्कि सीधे उस व्यक्ति की जिंदगी से निकलती हैं जो रोज काम करता है, कमाता है और अपने परिवार को चलाने की कोशिश करता है। प्रवासी श्रमिक हू अनयान ने कूरियर कर्मचारी समेत 19 अलग-अलग तरह के काम किए हैं। उन्होंने लॉजिस्टिक्स कंपनी में छंटनी करने वाले कर्मचारी, सुरक्षा गार्ड और सुविधा स्टोर कर्मचारी जैसे काम भी किए।

भारत-नेपाल सीमा पर कैसे बना जालसाजी का नेटवर्क 500 यात्रा दस्तावेज गायब होने से खुला राज

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल में 15 साल पहले विदेश मंत्रालय के स्टोर से गायब हुए 500 खाली यात्रा दस्तावेजों की दोबारा जांच ने भारत और नेपाल से जुड़े दस्तावेज जालसाजी के एक कथित नेटवर्क पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जांच में आशंका जताई गई है कि इस नेटवर्क के जरिए विदेशी नागरिकों और शरणार्थियों के लिए जाली नेपाली नागरिकता प्रमाणपत्र तैयार किए जाते थे। इसके बाद इन्हीं प्रमाणपत्रों के आधार पर नेपाली पासपोर्ट और यात्रा दस्तावेज हासिल किए जाते थे। भारत-नेपाल की खुली सीमा और दोनों देशों के बीच वीजा-मुक्त आवाजाही को देखते हुए इस मामले का सुरक्षा पहलू भी महत्वपूर्ण हो गया है।

500 दस्तावेज गायब होने का मामला फिर क्यों खुला : नेपाल विदेश मंत्रालय से वर्ष 2009 में ए-026001 से ए-026500 श्रृंखला के 500 खाली यात्रा दस्तावेज गायब हुए थे। इनमें से अब तक केवल तीन दस्तावेज बरामद किए जा सके हैं। बाकी 497 दस्तावेजों का कोई पता नहीं चला है। मामले की दोबारा जांच नेपाल पुलिस के केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीआईबी को सौंपी गई है। जांच के दौरान मंत्रालय के पूर्व अधिकारी बचराम केसी को गिरफ्तार किया गया है। उनके बयान को जांच में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वरिष्ठ राजनयिकों के बयान भी दर्ज किए गए हैं। इतने वर्षों बाद दोबारा शुरू हुई जांच का मुख्य सवाल यही है कि इतने संवेदनशील दस्तावेज आखिर किसके हाथ लगे और उनका इस्तेमाल कहां किया गया।

जाली नागरिकता से असली पासपोर्ट तक कैसे पहुंचते थे : जांच में सामने आए आरोपों के अनुसार कथित सिंडिकेट भारत-नेपाल सीमा से लगे जिलों में सक्रिय था। नेटवर्क के सदस्य विदेशी नागरिकों या अवैध रूप से रह रहे लोगों के लिए जाली नेपाली नागरिकता प्रमाणपत्र तैयार करवाते थे। इसके बाद इसी पहचान के आधार पर नेपाली पासपोर्ट और दूसरे यात्रा दस्तावेज हासिल करने का रास्ता तैयार किया जाता था।

इस पूरी प्रक्रिया में दोनों देशों में मौजूद दलालों के समन्वित नेटवर्क की बात सामने आई है। गिरफ्तार पूर्व अधिकारी केसी के बयान के मुताबिक भारत और नेपाल में दलालों का एक संगठित तंत्र काम कर रहा था। हालांकि, इस नेटवर्क से जुड़े सभी आरोपों और इसकी पूरी संरचना की जांच अभी जारी है। जांच में कथित नेटवर्क के विदेशी नागरिकों से प्रति व्यक्ति करीब 5,000 अमेरिकी डॉलर वसूलने की बात सामने आई है। भारतीय मुद्रा में यह रकम करीब चार से सवा चार लाख रुपये के आसपास बैठती है। रिपोर्ट के अनुसार इस नेटवर्क में मुख्य रूप से अफगान और तिब्बती शरणार्थियों के शामिल होने की आशंका जताई गई है। साथ ही अफगानिस्तान से आए लोगों के इस जालसाजी नेटवर्क के जरिए आवाजाही करने की आशंका से भी इनकार नहीं किया गया है। जांच एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि गायब हुए यात्रा दस्तावेजों में से कितने का इस्तेमाल किया गया और किन लोगों को इन दस्तावेजों के जरिए नेपाल की पहचान या यात्रा संबंधी कागजात हासिल हुए। भारत और नेपाल के बीच खुली सीमा होने के कारण इस मामले का असर केवल नेपाल तक सीमित नहीं माना जा रहा है।

अमेरिका में भारतीय खाना ट्रेंड में, पाकिस्तान में चाट और ढाका में साड़ी की मांग क्यों बढ़ी

न्यूयॉर्क/लाहौर/ढाका, एजेंसी। भारतीय खानपान और पहनावे का आकर्षण अब भारत की सीमाओं से बाहर भी साफ दिखाई दे रहा है। पाकिस्तान में दिल्ली की चाट, अमृतसरी कुलचे और मुगलई व्यंजन पसंद किए जा रहे हैं, जबकि ढाका की शादियों में बनारसी, कांजीवरम और चंदेरी साड़ियों की मांग बनी हुई है। अमेरिका में क्षेत्रीय भारतीय भोजन प्रमुख खानपान रुझानों में शामिल हुआ है। ऐसे में सवाल है कि क्या सांस्कृतिक पसंद राजनीतिक सीमाओं से ज्यादा मजबूत साबित हो रही है भारतीय संस्कृति का असर खानपान और पहनावे के जरिए दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में दिखाई दे रहा है। अमेरिका से लेकर पाकिस्तान और बांग्लादेश तक भारतीय व्यंजन और पारंपरिक परिधान लोगों की पसंद बन रहे हैं। पाकिस्तान के लाहौर और कराची में दिल्ली की चाट, अमृतसरी कुलचे, मुगलई व्यंजन और कोलकाता काठी रोल आकर्षण का केंद्र हैं। दूसरी तरफ ढाका में बनारसी, कांजीवरम और चंदेरी साड़ियां खासतौर पर शादियों में पसंद की जा रही हैं। यह स्थिति इसलिए दिलचस्प है क्योंकि राजनीतिक स्तर पर मतभेदों के बावजूद लोगों की सांस्कृतिक पसंद अलग दिशा में चलती दिखाई दे रही है।

अमेरिका में क्षेत्रीय भारतीय खाने की मांग क्यों बढ़ी : अमेरिका में भारतीय भोजन की तस्वीर पिछले कुछ समय में बदली है। भारतीय खाना पहले अक्सर सामान्य करी तक सीमित समझा जाता था, लेकिन अब अमेरिकी उपभोक्ताओं की दिलचस्पी भारत के अलग-अलग क्षेत्रों के व्यंजनों में बढ़ रही है। 2026 के खानपान रुझानों में क्षेत्रीय भारतीय व्यंजनों को शीर्ष पांच में जगह मिली है। अमेरिकी शहरों में भारतीय रेस्तराओं की खोज और बुकिंग में भी तेजी देखी गई है। अब ग्राहक केवल सामान्य भारतीय करी नहीं खोज रहे, बल्कि अलग-अलग इलाकों के खास स्वाद आजमाना चाहते हैं। केरल के नारियल, करी पत्ते, हींग और समुद्री भोजन जैसे स्वाद भी लोगों की पसंद में उभर रहे हैं। इससे भारतीय भोजन की

पहचान क्षेत्रीय विविधता के साथ और व्यापक होती दिखाई देती है।

लाहौर और कराची में दिल्ली के स्वाद की मांग क्यों बढ़ी : पाकिस्तान में भारतीय खानपान की लोकप्रियता खासतौर पर लाहौर और कराची में दिखाई दे रही है। दिल्ली की चाट, अमृतसरी कुलचे, मुगलई व्यंजन और कोलकाता काठी रोल वहां लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। लाहौर का गवालमंडी और कराची के फूड स्ट्रीट्स भारतीय स्वाद के लिए खास चर्चा में हैं। सोशल मीडिया ने भी इस रुचि को बढ़ाने में भूमिका निभाई है। यूट्यूबर और व्लॉगर दिल्ली, अमृतसर, लखनऊ और दक्षिण भारत के व्यंजनों को अपने वीडियो के जरिए दर्शकों तक पहुंचा रहे हैं। भारतीय शहरों के नाम से जुड़े व्यंजन भी लोगों के बीच खास आकर्षण पैदा कर रहे हैं। इस तरह खानपान ने राजनीतिक सीमाओं से अलग अपनी जगह बनाई है।

ढाका की शादियों में भारतीय साड़ियों का रुतबा क्यों बढ़ा : बांग्लादेश की राजधानी ढाका में भारतीय साड़ियों का आकर्षण खास तौर पर शादी-ब्याह के मौकों पर नजर आता है। बनारसी, कांजीवरम और चंदेरी साड़ियों को वहां केवल पारंपरिक पहनावे के तौर पर नहीं देखा जा रहा, बल्कि इन्हें शादियों में स्टेटस और खास पसंद से भी जोड़ा जा रहा है। भारतीय खानपान की मांग भी वहां बनी हुई है। गुलशन और धानमंडी जैसे इलाकों में कोलकाता काठी रोल और पाव भाजी लोगों के पसंदीदा स्वादों में शामिल हैं। यानी भारत से जुड़े भोजन और पहनावे दोनों ने ढाका में अपनी अलग पहचान बनाई है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव इस बात का उदाहरण है कि लोगों की पसंद कई बार देशों के राजनीतिक संबंधों से अलग अपना रास्ता तय करती है। भारतीय भोजन और परिधान की यह लोकप्रियता केवल बाजार की कहानी नहीं है। इसके पीछे संस्कृति, स्वाद और लोगों की व्यक्तिगत पसंद भी काम कर रही है। अमेरिका में भारतीय क्षेत्रीय व्यंजन नए फूड ट्रेंड का हिस्सा बन रहे हैं। पाकिस्तान में दिल्ली और अमृतसर के स्वाद लोगों को आकर्षित कर रहे हैं, जबकि ढाका की शादियों में भारतीय साड़ियों की मांग बनी हुई है। सोशल मीडिया ने इस प्रक्रिया को और तेज कर दिया है। लोग यूट्यूब और दूसरी ऑनलाइन सामग्री के जरिए दूसरे देशों के भोजन, कपड़े और परंपराओं से परिचित हो रहे हैं। इस पूरी तस्वीर से यह सवाल उठता है कि क्या सांस्कृतिक जुड़ाव राजनीतिक दूरी के बावजूद लोगों को करीब ला सकता है। दिल्ली की चाट से लेकर बनारसी साड़ी तक भारतीय संस्कृति का यह विस्तार कम से कम इतना जरूर दिखाता है कि स्वाद और फैशन की अपनी एक ऐसी दुनिया है।

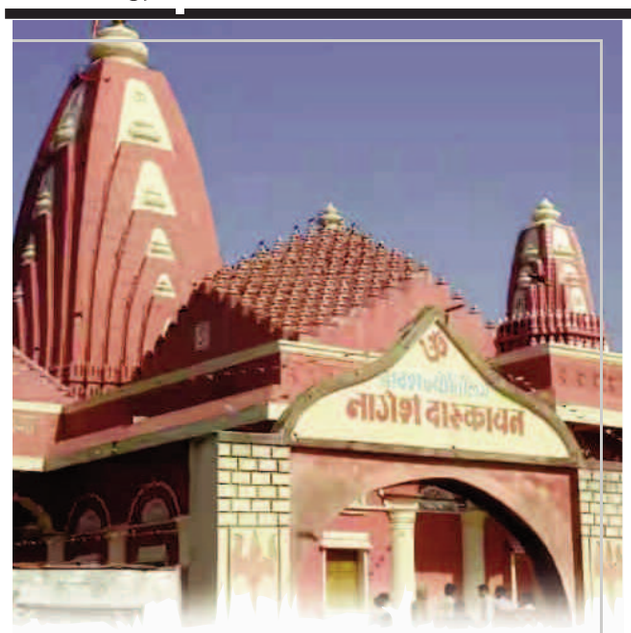

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग महत्व व इतिहास

भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में से 10वां ज्योतिर्लिंग नागेश्वर ज्योतिर्लिंग है। यह ज्योतिर्लिंग भारत के गुजरात राज्य में है, और गुजरात राज्य के द्वारिकापुरी से 17 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। भारत के द्वारिकापुरी में नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के परिसर में भगवान शिव की एक बड़ी ही मनमोहक ध्यान मुद्रा में विशाल प्रतिमा बनाई गई है जिसकी वजह से मंदिर 3 किलोमीटर की दूरी से ही दिखाई देने लगता है। भगवान शिव जी की यह मूर्ति 80 फीट ऊंची तथा इसकी चौड़ाई 25 फीट है। तथा इसका मुख्य द्वार अत्यंत साधारण और सुंदर है।

ऐसा माना जाता है की नागेश्वर अर्थात की नागों का ईश्वर नागों का देवता वासुकी जी भगवान शिव जी के गले में कुंडली मार कर बैठे रहते है । इस मन्दिर मैं स्थापित ज्योतिर्लिंग का दर्शन करने वालों के लिए भगवान शिव जी की बहुत महिमा है। कहा जाता है कि इस मंदिर में विष से संबंधित सभी रोग से मुक्ति प्राप्त हो जाती है। भगवान शिवजी के 12 ज्योतिर्लिंगों में स्थापित श्री विश्वनाथ का यह दसवां ज्योतिर्लिंग माना गया है।

भगवान शिव जी के इन मंदिरों को ज्योतिर्लिंग कहा जाता है, क्योंकि इन स्थानों पर भगवान शिव जी अपने भक्तों की श्रद्धा पूर्वक पूजन से प्रसन् होकर स्वयं उत्पन्न हुए थे। धार्मिक ग्रंथों के लेखों में कहा गया है कि इस पवित्र ज्योतिर्लिंग के श्रद्धा पूर्वक दर्शन करने से पापों से मुक्ति प्राप्त होती है। हिंदुओं का यह प्राचीन एवं प्रमुख मंदिर केवल भगवान शिव जी को समर्पित है। जिसमें शिवजी की श्रद्धा पूर्वक पूजा आराधना नागेश्वर के रूप में की जाती है। इस ज्योतिर्लिंग को रूद्र संहिता में दारकावने नागेश के नाम से भी जाना जाता है।

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग की धार्मिक मान्यताएं

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव को नागों के देवता के रूप में जाना जाता है। नागेश्वर का संपूर्ण अर्थ नागों का ईश्वर है। पौराणिक कथाओं में इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन की कथा एक बड़ी विशाल महिमा बताई गई है। इस ज्योतिर्लिंग की भी विभिन्न रोचक कहानियां है जिसे सभी श्रद्धा पूर्वक सुनते हैं। कहा जाता है कि महात्माओं की कथा को श्रद्धापूर्वक सुनने से जीवन में किए गए सभी पापों से मुक्ति मिलती है। यह मंदिर सुबह 5.00 बजे आरती के साथ खुलता है, किंतु भक्तों के लिए यह मंदिर 6.00 बजे खुलता है। मंदिर के पुजारियों द्वारा कई विधियों द्वारा शिवजी की श्रद्धा पूर्वक पूजा तथा अभिषेक किए जाते हैं। भगवान शिव जी के द्वार पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए शाम 4.00 बजे श्रृंगार दर्शन होते हैं, तत्पश्चात गर्भ गृह में प्रवेश करने पर प्रतिबंध होता है। यहां पर पुजारियों द्वारा भगवान शिव जी की शाम की आरती सांय 7.00 बजे की जाती है तथा भक्तों के दर्शन का समय रात्रि 9.00 बजे समाप्त हो जाता है। भगवान शिव जी के त्यौहार और विषेश शुभ अवसर पर यह मंदिर अधिक समय तक खुला रहता है।

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग का निर्माण कार्य

भगवान शिव जी के इस दसवीं ज्योतिर्लिंग का निर्माण कार्य अत्यंत अद्भुत तथा सौंदर्यकरण विधि से करवाया गया है। नागेश्वर मंदिर के मुख्य गर्भ गृह के निचले स्तर पर भगवान शिव जी के इस ज्योतिर्लिंग को स्थापित किया गया है। इस ज्योतिर्लिंग के ऊपर भगवान शिव जी का एक चांदी का बड़ा नाग स्थापित किया गया है। इतना ही नहीं इस अद्भुत ज्योतिर्लिंग के पीछे ही माता पार्वती की प्रतिमा की स्थापना भी की गई है। इस ज्योतिर्लिंग का मंदिर अत्यंत अद्भुत सौंदर्य पूर्वक तरीके से बनाया गया है। कहा जाता है, कि जिन श्रद्धालुओं को ज्योतिर्लिंग का अभिषेक करना है वहां के पुजारियों से अनुरोध करके सफेद धोती पहनकर अभिषेक करवाते हैं।

देश में कहां-कहां हैं शिव की विशाल प्रतिमाएं

श्रावण के महीने अगर आप घर बैठे ही भगवान शिव जी के दर्शन करना चाहते हैं तो यहां अवश्य पढ़ें भारतभर में स्थापित भोलेनाथ के 11 विशालकाय प्रतिमाओं के बारे में खास जानकारी।

शिव प्रतिमा (श्री नाथ द्वारा) ऊंचाई- 351 फुट

राजस्थान में उदयपुर से करीब 50 किलोमीटर की दूरी पर 351 फुट ऊंची बन रही यह प्रतिमा श्री नाथ द्वारा के गणेश टेकरी में स्थित है। इस **शिव प्रतिमा के दर्शन आप** 20 किमी की दूरी से ही कर सकते हैं।

शिव मूर्ति, मुरुदेश्वरा (कर्नाटक, भारत) ऊंचाई लगभग 123 फुट

विश्व की दूसरे नंबर की शिव मूर्ति अरब सागर के तट पर स्थित है। इस संपूर्ण क्षेत्र को मुरुदेश्वरा कहते हैं। बैठक मुद्रा में मुरुदेश्वर मंदिर के बाहर स्थापित शिव की इस मूर्ति की ऊंचाई 37 मीटर अर्थात लगभग 123 फुट है। मुरुदेश्वर दक्षिण भारत के कर्नाटक राज्य में उत्तर कन्नड़ जिले के भटकल तहसील में अरब सागर के तट पर स्थित एक कस्बा है। कंदुका पहाड़ी पर तीन ओर से पानी से घिरा यह **मुरुदेश्वर मंदिर भगवान** शिव को समर्पित है। **यहां भगवान शिव का आत्मलिंग** स्थापित है **जिसका संबंध रामायण** काल से है। मान्यता के **अनुसार अमरता पाने हेतु** रावण जब शिवजी को **प्रसन्न करके उनका आत्मलिंग** अपने साथ लंका **ले जा रहा था तब रास्ते में** इस स्थान पर **आत्मलिंग को धरती पर** रख दिए जाने के **कारण स्थापित हो गया था।**

हर की पौड़ी, हरिद्वार (उत्तराखंड, भारत) ऊंचाई लगभग 100 फुट

यह मूर्ति हरिद्वार स्थित गंगा नदी के तट पर हर की पौड़ी के पास स्थापित की गई है। यह मूर्ति खड़ी मुद्रा में है जबकि हरिद्वार के पास ऋषिकेश की मूर्ति बैठक मुद्रा में है। बताया जाता है कि बाढ़ के कारण ऋषिकेश की मूर्ति पानी में बह गई। हर की पौड़ी भारत के सबसे पवित्र घाटों में **एक है। कहा जाता है कि** यह घाट विक्रमादित्य ने अपने भाई भतृहरि की याद में बनवाया था। यहीं पर हर शाम हजारों दीपकों के साथ गंगा **की आरती** की जाती है। हर की पौड़ी के पीछे के **बलवा पर्वत** की चोटी पर मनसादेवी का मंदिर **बना है।** मंदिर तक जाने के लिए पैदल रास्ता है। **मंदिर जाने के** लिए रोप-वे भी है।

शिवगिरि महादेव, बीजापुर शिवपुर (कर्नाटक) ऊंचाई लगभग 85 फुट

शिवगिरि महादेव की यह विशालकाय मूर्ति लगभग 85 फुट ऊंची है, जो बीजापुर जिले के शिवपुर स्थान पर सन् 2006 में स्थापित की गई थी। शिव की यह बैठी हुई प्रतिमा 2011 में स्थापित की गई है।

कैलाशनाथ महादेव, सांगा, जिला भक्तापुर (नेपाल) ऊंचाई लगभग 143 फुट

विश्व में शिव की सबसे ऊंची मूर्ति नेपाल के **चित्तपोल सांगा जिला भक्तापुर में स्थित है। खड़ी मुद्रा में इस** मूर्ति का निर्माण कार्य 2004 में शुरू हुआ था और 2010 में यह मूर्ति बनकर तैयार हुई और 21 जून 2011 को इस मूर्ति का अनावरण किया गया। इस मूर्ति को धनराज जैन परिवार ने लगभग 11 करोड़ की लागत से बनवाया था। श्री मनुराम वर्मा और नरेश कुमार वर्मा मूर्तिकार थे। इस मंदिर की विशालता को **देखना बहुत** अद्भुत है।

नागेश्वर महादेव दारुकावन (गुजरात) ऊंचाई 82 फुट

12 ज्योतिर्लिंगों में से गुजरात में 2 ज्योतिर्लिंग हैं- एक सोमनाथ महादेव और दूसरे नागेश्वर महादेव। यह मंदिर पहले बहुत छोटा था लेकिन बाद में इस मंदिर को भव्य रूप दिया टी सीरिज के निर्माता गुलशन कुमार ने। मंदिर प्रांगण के बाहर भगवान शिव की विशालकाय मूर्ति भूतल से 82 फुट ऊंची और चौड़ाई में 25 फुट चौड़ी है। इतनी ही ऊंचाई लिए एक मूर्ति मध्यप्रदेश के ओंकारेश्वर में भी स्थापित है। ओंकारेश्वर में 12 **ज्योतिर्लिंगों में से 1 लिंग है, यहीं पर** ममलेश्वर महादेव का मंदिर भी है।

कचनार महादेव, जबलपुर (मध्यप्रदेश) ऊंचाई 76 फुट

मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले के कचनार शहर में शिव मंदिर के पास स्थापित इस मूर्ति की ऊंचाई 76 फुट है। यहीं पर 12 ही ज्योतिर्लिंगों की प्रतिकृतियां बनाई गई हैं। जबलपुर भेड़ाघाट वॉटर फाल, 64 योगिनी मंदिर और कान्हा नेशनल पार्क के लिए प्रसिद्ध है।

कैम्प फोर्ट शिव मूर्ति, एयरपोर्ट रोड, बेंगलुरु (कर्नाटक) ऊंचाई 65 फुट

65 फुट ऊंची इस मूर्ति की स्थापना 1995 में हुई थी। इस मूर्ति में भगवान शिव पद्मासन की अवस्था में विराजमान हैं। इस मूर्ति की पृष्ठभूमि में कैलाश पर्वत, भगवान शिव का निवास स्थल तथा प्रवाहित हो रही गंगा नदी है।

बेलीश्वर महादेव, भंजनगर, जिला गंजम (ओडिशा) ऊंचाई 61 फुट

भारतीय राज्य ओडिशा के भंजनगर में स्थित **चंद्रशेखर महादेव मंदिर के** पास स्थापित इस मूर्ति की ऊंचाई लगभग 61 फुट है। 6 मार्च 2013 को इस मूर्ति का अनावरण किया गया था।

नामची शिव प्रतिमा (सिक्किम) ऊंचाई- लगभग 108 फुट

नामची शहर में पहाड़ी पर विराजित शिव प्रतिमा **चारधाम यानी बद्रीनाथ,** रामेश्वरम, द्वारका और पुरी के मंदिरों के प्रतिरूप में रूप में देखने को मिलती है। यहां बनी शिव की मूर्ति 108 फुट ऊंची है। इसे सिद्धेश्वर धाम तथा किरातेश्वर **महादेव के नाम से जाना** जाता है। यह सिक्किम के गंगटोक से 92 किलोमीटर की दूरी पर है तथा इस मंदिर में 12 ज्योतिर्लिंगों को भी दर्शाया गया है।

मंगल महादेव, हरियाणा ऊंचाई- 101 फुट

हरियाणा में मंगल महादेव की विशाल प्रतिमा है। यह दिल्ली से जिसकी ऊंचाई करीब 101 फुट है। शिवरात्रि के साथ ही आम दिनों में भी यहां भक्तों **की उतनी ही भीड़ देखने को** मिलती है।

आर्चरी प्रीमियर लीग खेलेंगी ओलंपिक मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड, शामिल होंगे दुनिया के 12 स्टार तीरंदाज

नई दिल्ली, एजेंसी। हैदराबाद पेरिस 2024 ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड (यूएसए) आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) के दूसरे सीजन में डेब्यू करेंगी। यह टूर्नामेंट 8 अक्टूबर से हैदराबाद में शुरू होगा, जिसमें 10 अलग-अलग देशों के 12 विदेशी तीरंदाज हिस्सा लेंगे। आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया की इस लीग का दूसरा सीजन तेलंगाना सरकार के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें छह क्षेत्रीय फ्रेंचाइजी में बंटे 48 तीरंदाज हिस्सा लेंगे।

मौजूदा वर्ल्ड गेम्स इंडिविजुअल चैंपियन माइक श्लोसेर (वर्ल्ड नंबर 2) और एंड्रिया बेसेरा (वर्ल्ड नंबर 1) पहले सीजन के बाद फिर से वापसी करेंगे। सीजन 1 के स्टार और 2025 वर्ल्ड चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट मैथियास फुलरटन भी वापसी करेंगे। इनके साथ मेक्सिको के 22 वर्षीय मटियास ग्रांडे (वर्ल्ड नंबर 3) और स्पेन की एलिया कैनेलेस भी 11 दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। 20 वर्षीय ओलंपिक मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड उन खास खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल होंगी, जिनमें तुर्की के मेटे गाजोज और मेक्सिको की एलेजांद्रा वैलेंसिया जैसे ओलंपिक मेडलिस्ट शामिल हैं; ये दोनों खिलाड़ी लीग के पहले सीजन में भी खेले थे। कंपाउंड आर्चरी में वर्ल्ड नंबर 3 खिलाड़ी, कोलंबिया की एलेजांद्रा उस्कियानो, और ब्राजील के मार्कस डी' अल्मेडा - जो वर्तमान में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी हैं और 2014 यूथ ओलंपिक खेलों में ब्रॉन्ज मेडलिस्ट रहे हैं - उन अन्य अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजों में शामिल हैं जो हैदराबाद में एपीएल में डेब्यू करने जा रहे हैं।

अर्जुन तेंदुलकर के करियर का बड़ा फैसला इस टीम के साथ ही जारी रखेंगे घरेलू क्रिकेट

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर के क्रिकेट करियर को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद उनके इंटरनेशनल डेब्यू का इंतजार अब भी जारी है। 26 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्जुन ने अपने घरेलू क्रिकेट करियर की शुरुआत मुंबई से की थी, लेकिन 2022-23 सीजन से पहले उन्होंने गोवा का रुख कर लिया। तब से वह गोवा की टीम का अहम हिस्सा बने हुए हैं। हाल ही में गोवा के ओमान दौरे पर अर्जुन के नहीं जाने के बाद उनके भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं। हालांकि, अब अर्जुन ने गोवा के साथ अपने सफर को जारी रखने का फैसला किया है।

अर्जुन तेंदुलकर ने गोवा के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वह टीम के नियमित सदस्य रहे हैं और फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 50 से ज्यादा विकेट अपने नाम कर चुके हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी बल्लेबाजी पर भी काफी काम किया है। रणजी ट्रॉफी में राजस्थान के खिलाफ अर्जुन ने शानदार शतक भी लगाया था। इस प्रदर्शन के बाद अर्जुन की पहचान सिर्फ सचिन तेंदुलकर के बेटे के रूप में नहीं, बल्कि एक ऑलराउंडर क्रिकेटर के तौर पर भी मजबूत हुई है। गोवा की टीम ने उन्हें लगातार खेलने और गेंदबाजी के साथ साथ बल्लेबाजी में अपनी क्षमता दिखाने का मौका दिया है। ऐसे में गोवा के साथ बने रहना उनके करियर के लिए अहम फैसला माना जा रहा है।

अर्जुन तेंदुलकर को IPL 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम का हिस्सा बनने का मौका मिला। हालांकि, पूरे सीजन उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। आखिरकार सीजन के आखिरी मुकाबले में उन्हें पंजाब किंग्स के खिलाफ मैदान पर उतरने का मौका मिला। इस मुकाबले में अर्जुन ने अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया। उन्होंने चार ओवर में 36 रन देकर एक विकेट हासिल किया। उनकी गेंदबाजी में खास तौर पर यॉर्कर देखने को मिलीं।

संक्षिप्त समाचार

2000 से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोट दिखा रहे इंसानों जैसा करतब; हैरान हुए दर्शक

बीजिंग , एजेंसी। बीजिंग में दूसरे वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स यानी 'रोबोट ओलंपिक' की शुरुआत हो गई है। पांच दिन चलने वाले इस आयोजन में 16 देशों की 650 से अधिक टीमें हिस्सा ले रही हैं। 2,000 से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोट फुटबॉल, टेनिस, बॉक्सिंग, बैडमिंटन और एथलेटिक्स जैसे खेलों में अपनी क्षमता दिखा रहे हैं। चीन की राजधानी बीजिंग में शनिवार से दूसरे वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स (रोबोट ओलंपिक) की शुरुआत हो गई है। इस पांच दिवसीय आयोजन में 16 देशों के 650 से अधिक टीमों के 2,000 से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोट हिस्सा ले रहे हैं। ह्यूमनॉइड के इस ओलंपिक में रोबोट्स के बीच दौड़, फुटबॉल, टेबल टेनिस, एथलेटिक्स, किकबॉक्सिंग जैसे विभिन्न खेल मुकाबले व औद्योगिक गतिविधियां हो रही हैं। पहले दिन 4,00 मीटर और 1,500 मीटर जैसी दौड़ पूरी तरह से स्वायत्त श्रेणी में हुई, जहां रोबोट्स बिना रिमोट कंट्रोल के दौड़े। वी आर चाइना की रिपोर्ट्स के मुताबिक, उद्घाटन के मौके पर रोबोट्स ने किसी आर्मी परेड की तरह बिल्कुल एक कतार और तालमेल में मार्च-पास्ट किया। चीनी ह्यूमनॉइड रोबोट गैलबॉट ने जब लॉन टेनिस के लिए जोरदार डाइव लगाई तो यह नजारा देख दर्शक हैरान रह गए।

मान्सी लाथर ने जीता रजत, तन्वी और कोमल ने कांस्य पदक पर जमाया कब्जा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला पहलवानों ने अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक जीते। मान्सी लाथर ने 68 किग्रा में रजत, जबकि तन्वी मगदूम और कोमल ने 57 व 59 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय महिला पहलवानों ने अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन और पदक अपने नाम कर लिए। मान्सी लाथर ने 68 किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक जीता, जबकि तन्वी मगदूम और कोमल ने क्रमशः 57 और 59 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक हासिल किए।

मंसी लाथर को रजत पदक

68 किलोग्राम भारवर्ग के स्वर्ण पदक मुकाबले में मान्सी लाथर को चीन की चेनलिंग सॉन्ग के खिलाफ बेहद करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। मान्सी को इस मुकाबले में 1-2 से शिकस्त मिली। इस तरह उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

तन्वी ने 10-4 से दर्ज की जीत

57 किलोग्राम भारवर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में तन्वी मगदूम ने कनाडा की अग्निया क्राकोव्स्का को 10-4 से हराया। इस जीत के साथ तन्वी ने प्रतियोगिता में कांस्य पदक अपने नाम किया।

बायर्न म्यूनिख ने जीता खिताब, फाइनल में बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराया

डॉर्टमुंड, एजेंसी। बायर्न म्यूनिख ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराकर सीजन का पहला जर्मन सुपरकप (फ्रांज बेकनबाउर सुपरकप) जीता। जमाल मुसियाला और सर्ज ग्नाब्री के बाहर होने पर, बायर्न के कोच विंसेंट कोम्पनी ने नए खिलाड़ी डिफेंडर नैथेनियल ब्राउन को नंबर 10 रोल में भेजा। 23 साल के खिलाड़ी ने 28वें मिनट में गोल करके कोच के भरोसे को सही साबित किया। जोशुआ किमिच ने माइकल ओलिस की ओर एक लंबी गेंद भेजी, जिन्होंने एरिया के किनारे पर डॉर्टमुंड के डिफेंस को रोककर ब्राउन को बॉल दी। जर्मनी के इंटरनेशनल खिलाड़ी ने कोई गलती नहीं की, और गोलकीपर ग्रेगर कोबेल को छकाते हुए बायर्न के लिए अपना पहला प्रतियोगी गोल किया। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में विजिटर्स ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। जोबे बेलिंगहैम ने अपने ही हाफ में पजेशन खो दिया। ओलिस गेंद लेकर पेनल्टी एरिया में दौड़े और शांति से कोबेल के पार नीचे-बाएं कोने में गोल कर दिया। ब्रेक के बाद डॉर्टमुंड ने कई अटैकिंग सब्स्टीट्यूशन किए और 75वें मिनट में उन्हें इसका इनाम मिला जब सब्स्टीट्यूट फैबियो सिल्वा ने गोल किया। आखिरी स्टेज में दोनों टीमों ने तेजी से काउंटरअटैक किए। मैक्सिमिलियन बेयर के पास बराबरी करने का अच्छा मौका था लेकिन उन्होंने एक शॉट ऊपर मार गोल का मौका गंवा दिया और बायर्न ने जीत पक्की कर ली। इस जीत ने बायर्न को रिकॉर्ड 12वां सुपरकप टाइटल दिलाया। डॉर्टमुंड ने यह कॉम्पिटिशन छह बार जीता है। 2026-27 बुंडेसलीगा सीजन 28 अगस्त से शुरू होगा। डिफेंडिंग चैंपियन बायर्न वीएफबी स्टटगार्ट की मेजबानी करेगा। डॉर्टमुंड अगले दिन हैमबर्गर एसवी के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर अपना लीग कैंपेन शुरू करेगा। मैच के बाद न्यूएर ने कहा, 'अब टीम के साथ इस सीजन का मजा लेने का समय है, और फिर हम देखेंगे। लेकिन हां, यह हो सकता है कि यह आखिरी सीजन हो। न्यूएर के बयान को उनके भविष्य में संभावित बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

स्टार्क की आंधी में उड़ा बांग्लादेश

ऑस्ट्रेलिया ने 2 दिन के अंदर जीत लिया मैके टेस्ट, सीरीज 1-1 से बराबर

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा एवं आखिरी मुकाबला मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में खेला गया. इस मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को पारी और 51 रनों से हरा दिया. इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट सीरीज को 1-1 से बराबरी पर खत्म किया. पहला टेस्ट डार्विन में खेला गया था, जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम को 9 विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी थी. अब कंगारुओं ने उस हार का बदला दमदार तरीके से लिया है.

मैके टेस्ट मैच का नतीजा दो दिन के अंदर आ गया. दूसरे दिन (23 अगस्त) चायकाल के कुछ देर बाद ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने मैदान मार लिया. मैके टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत के हीरो तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क रहे. बाएं हाथ के दिग्गज गेंदबाज स्टार्क ने बांग्लादेश की दूसरी पारी में चार विकेट झटके. स्टार्क ने पहली पारी में छह विकेट चटकाए थे. यानी उन्होंने मुकाबले में कुल 10 विकेट अपने नाम किए. स्टार्क को 'प्लेयर ऑफ द मैच' और 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया.

मिचेल स्टार्क की तूफानी गेंदबाजी के चलते बांग्लादेश अपनी दूसरी पारी में 95 रनों पर ढेर हो गया. बांग्लादेश के लिए दूसरी पारी में कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए. वहीं मुश्फिकुर रहीम 29 रन बनाकर नाबाद रहे. बाकी के 9 बल्लेबाज तो दोहरे अंकों तक नहीं पहुंच पाए, जिनमें तीन का खाता तक नहीं खुला. कप्तान पैट कमिंस और नाथन लायन ने तीन-तीन विकेट लेकर स्टार्क का अच्छा साथ निभाया.

शोरिफुल की मेहनत बेकार गई

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 210 रनों पर सिमट गई थी. पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया को 146 रनों की लीड मिली. कैमरन ग्रीन ने 10 चौके की मदद से 105 बॉल पर 67 रन बनाए. वहीं स्टीव स्मिथ (42 रन) और नाथन लायन (नाबाद 32 रन) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं. बांग्लादेश के लिए लेफ्ट आर्म पेसर शोरिफुल इस्लाम ने 7 विकेट लिए. जबकि तैजुल इस्लाम, मेहदी हसन मिराज और तस्कीन अहमद को एक-एक विकेट मिले.

पुर्तगाली फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो की मौत:मैदान पर गिरे, अस्पताल में तोड़ा दम

नईदिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल के 25 साल के फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो की मैच के दौरान मैदान पर गिरने के बाद मौत हो गई। वह शनिवार को लिस्बन में प्री-सीजन फ्रेंडली मैच खेल रहे थे। इस घटना के बाद मैच स्थगित कर दिया गया। लिस्बन फुटबॉल एसोसिएशन ने उनके निधन की पुष्टि की। कास्त्रो पुर्तगाल में चौथे डिवीजन की लीग में खेलने वाली टीम रियल स्पोर्ट क्लब का हिस्सा थे। मुकाबला एस्ट्रेला डि अमाडोरा नाम की टीम से हो रहा था।

22वें मिनट में मैदान पर गिरे, अस्पताल ले जाया गया

कास्त्रो मैच के 22वें मिनट में मैदान पर गिर पड़े। उनके गिरने के बाद मेडिकल टीम ने तुरंत इलाज शुरू किया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत की पुष्टि हुई। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैदान पर उन्हें बिजली का झटका देकर होश में लाने की कोशिश भी की गई।

वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी डेब्यू पर किया निराश... 2 चौके जड़े, फिर इस अनजान गेंदबाज ने फंसाया

नई दिल्ली, एजेंसी। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के लिए दलीप ट्रॉफी का डेब्यू उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा. नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में वैभव ईस्ट जोन की ओर से पहली पारी में महज 8 रन बनाकर आउट हो गए. उन्होंने लगातार दो चौके लगाकर इंटेंट दिखाया था, लेकिन इस आक्रामक अंदाज को ज्यादा देर तक बरकरार नहीं रख सके. बेंगलुरु स्थित (भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड-2 पर खेले जा रहे मुकाबले में नॉर्थ ईस्ट जोन ने टॉस जीतकर ईस्ट जोन को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया था. नई गेंद से तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही थी और ईस्ट जोन ने शुरुआत में ही विकेट गंवा दिया. वैभव सूर्यवंशी ने अपने दलीप ट्रॉफी करियर की शुरुआत बिल्कुल उसी अंदाज में की, जिसके लिए वह पहचाने जाते हैं. पारी के दूसरे ओवर में बिश्वोरजीत कोंथौजम की तीसरी गेंद को कवर रीजन से उन्होंने बाउंड्री के पार पहुंचाया. अगली गेंद पर भी उन्होंने कवर ड्राइव लगाकर चौका बटोरा. हालांकि गेंदबाज ने जल्द ही उनकी आक्रामकता का जवाब ढूंढ लिया. आखिरी गेंद पर वैभव सूर्यवंशी ने एक और बार कवर ड्राइव खेलने की कोशिश की, लेकिन इस बार टाइमिंग सही नहीं रही. गेंद बल्ले का किनारा लेकर गली में पहुंची, जोसेफ लालथनखुमा ने कैच लपक लिया. इस तरह वैभव की पहली दलीप ट्रॉफी पारी 6 गेंदों में 8 रनों पर समाप्त हुई. बिश्वोरजीत कोंथौजम ने लगातार दो चौके खाने के बावजूद अपना संयम बनाए रखा और ओवर की आखिरी गेंद पर युवा बल्लेबाज को पवेलियन भेजकर हिसाब बराबर कर लिया.

देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरे टेस्ट में भी शतक लगाया, नंबर-3 पर खत्म की भारत की टेंशन

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में भारत ने 4 विकेट पर 291 रन बनाए हैं। देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरे टेस्ट में शतक लगाया है। वह 117 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं रवींद्र जडेजा फिफ्टी के करीब थे। पडिक्कल ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 167 और दूसरी पारी में 44 रन बनाए थे।

इससे पहले कप्तान शुभमन गिल 50 रन बनाकर आउट हुए। केएल राहुल 18 और यशस्वी जायसवाल 45 रन बनाकर पवेलियन लौटे थे। ऋषभ पंत 3 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। उन्हें लाहिरू कुमारा की शॉर्ट गेंद बाएं हाथ की कलाई पर लगी थी।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। गॉल में पहला टेस्ट 165 रन से जीतकर भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है।

संयम भरी पारी और कप्तान गिल के साथ अहम साझेदारी

पडिक्कल ने इस पारी में गजब का धैर्य और संयम दिखाया। उन्होंने बिना कोई जोखिम उठाए बेहद आराम से बल्लेबाजी की और 168 गेंदों का सामना करते हुए अपना शतक पूरा किया। अपनी इस शतकीय पारी के दौरान उन्होंने एक भी छक्का नहीं लगाया और 10 चौके जड़े। उन्होंने कप्तान शुभमन गिल के साथ मिलकर एक मजबूत साझेदारी निभाई, जिसकी बदौलत भारतीय टीम मैच में काफी मजबूत और संभली हुई स्थिति में पहुंच गई है। टीम इंडिया ने इस मैच में सिर्फ 66 रन पर अपने दो विकेट खो दिए थे। इसके बाद शुभमन गिल और देवदत्त पडिक्कल ने बीच तीसरे विकेट के लिए 120 रनों की अहम साझेदारी हुई।

पिछले काफी समय से भारतीय टेस्ट टीम नंबर-3 के स्थान पर एक ऐसे भरोसेमंद बल्लेबाज की तलाश में थी, जो तेज और स्पिन गेंदबाजी दोनों का मजबूती से सामना कर सके। पडिक्कल ने लगातार दो शतकों के साथ इस समस्या को लगभग पूरी तरह से सुलझा दिया है। जिस तरह से वे स्पिन और पेस अटैक के खिलाफ आसानी से रन बना रहे हैं, उससे उन्होंने तीसरे नंबर पर अपनी जगह काफी हद तक पक्की कर ली है।पडिक्कल के इस निरंतर शानदार प्रदर्शन ने उन खिलाड़ियों के लिए राह कठिन कर दी है जो लंबे समय से नंबर-3 की रेस में बने हुए थे। इनमें सबसे प्रमुख नाम साई सुदर्शन का है। गौरतलब है कि साई सुदर्शन के चोटिल होने के बाद ही देवदत्त पडिक्कल को भारतीय टेस्ट स्क्वॉड में शामिल होने का मौका मिला था।